

केजरीवाल राज्यसभा का सदस्य बनने की तैयारी में?

दिल्ली में आप की करारी हार के बाद, विशेषकर मु.मंत्री केजरीवाल की भी अपनी विधानसभा सीट की हार के बाद, कई तरह की अटकलबाजियाँ चल रही हैं, केजरीवाल के राजनीतिक भविष्य के बारे में

-श्रीनंद झा-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 फरवरी। आप ने लुधियाना पश्चिम उपचुनाव के लिये राज्यसभा सांसद संजीव अरोड़ा को पार्टी प्रत्याशी बनाने का निर्णय लिया है। इससे राज्यसभा में पार्टी के संस्थापक अरविन्द केजरीवाल के राज्यसभा में सम्भावित प्रवेश की अटकलों को एक बार फिर बल मिला है।

अगर अरोड़ा उपचुनाव जीत जाते हैं, तो राज्यसभा की सीट खाली हो जायेगी तथा राज्यसभा के रिक्त स्थान को भरने की प्रक्रिया में करीब छः महीने का समय सम्भावित होता है। हाल ही में हुये दिल्ली विधानसभा चुनावों में मिली करारी चुनावी हार के बाद, यह संभव एवं संभावित है कि केजरीवाल राज्यसभा में प्रवेश की कोशिश करें, क्योंकि सांसद बनने के बाद, आप नेता को सामाजिक एवं राजनैतिक सरोकारों से संबंधित मुद्दे उठाने के लिये समुचित मंच मिल जायेगा सांसद बनने के बाद, केजरीवाल यह अपेक्षा की कर सकेंगे कि उन्हें, उनके खिलाफ चल रहे उन केसों में कुछ संवैधानिक संरक्षण भी मिल सकेगा, जिन केसों की जाँच -पड़ताल

एक प्रबल संभावना यह बताई जा रही है कि केजरीवाल पंजाब से राज्यसभा के सदस्य बन सकते हैं। ऐसा माना जा रहा है कि सांसद के रूप में केजरीवाल ज्यादा अहम् भूमिका निभा सकते हैं, सामाजिक मुद्दों को हाईलाइट करने में।

इस संभावना को और बल मिला है, जब से केजरीवाल के निजी मित्र, राज्यसभा सदस्य, संजीव अरोड़ा को लुधियाना पश्चिम विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में उम्मीदवार बनाने की घोषणा की गई है।

संजीव अरोड़ा, अभी पंजाब से राज्यसभा सदस्य निर्वाचित हैं। वे अगर उपचुनाव जीत जाते हैं तो उन्हें राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा देना पड़ेगा और केजरीवाल को राज्यसभा का सदस्य बनाने का मौका मिल जाएगा।

वैसे भी केजरीवाल के लिये पंजाब से राज्यसभा का सदस्य बनना ज्यादा आसान है, क्योंकि, पंजाब की 117 सदस्यीय विधानसभा में आप के 94 विधायक हैं, बनिस्पत दिल्ली के, जहाँ अब आप के पास विधानसभा में बहुमत नहीं है।

लॉ एन्फोर्समेंट एजेंसियाँ कर रही हैं।

पंजाब आप प्रवक्ता जगतार सिंह

संघरा ने इन अटकलों का खंडन किया

है, लेकिन पार्टी नेताओं का कहना है कि

राज्यसभा सांसद बनने से केजरीवाल को यह मदद मिलेगी कि, एक जनप्रतिनिधि होने के नाते, उन्हें जनता से जुड़े मुद्दे उठाने के लिये एक बड़ा मंच मिल जायेगा। उन पार्टी नेताओं का कहना है कि अब तक केजरीवाल के पास जो भी पद रहे हैं, वे सब उनके लिये सामाजिक कल्याण का साधन रहे हैं।

चूँकि आप दिल्ली में हार गई है, इसलिये केजरीवाल के भविष्य को लेकर विभिन्न प्रकार की अटकलें चर्चा में हैं। ऐसी भी बातें सुनने को मिल रही हैं कि वे भगवंत सिंह मान को हटाकर, पंजाब के मुख्यमंत्री बनना चाहेंगे।

आप के पास राज्यसभा की कुल 10 सीटें हैं, जिनमें से 7 पंजाब से तथा 3 दिल्ली से हैं। चूँकि दिल्ली विधानसभा में आप बहुमत खो चुकी है, इसलिये दिल्ली से राज्यसभा में प्रवेश करने की कोशिश केजरीवाल के लिये नुकसानदायक हो सकती है। दूसरी तरफ, पंजाब में, आप के पास स्पष्ट तथा सुविधाजनक बहुमत है, क्योंकि विधानसभा की कुल 117 सीटों में से, 94 सीटें आप के पास हैं।

केजरीवाल के नजदीक माने वाले (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पुणे : सरकारी बस में महिला से दुष्कर्म

पुणे, 26 फरवरी। महाराष्ट्र के पुणे शहर में राज्य परिवहन की एक खड़ी बस में एक व्यक्ति ने 26 वर्षीय महिला के साथ कथित तौर पर दुष्कर्म किया। बताया गया कि आरोपी का आपराधिक रिकॉर्ड रहा है और उसके खिलाफ कई मामले में भी दर्ज किए गए हैं।

स्वर्गेट पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी की पहचान दत्ता गाडे के रूप में हुई है,

पुलिस ने बताया कि आरोपी आदतन अपराधी है और फरार है, उसकी तलाश की जा रही है।

जिसके खिलाफ पहले से चोरी और चैन छीनने के मामले दर्ज हैं। स्वर्गेट महाराष्ट्र स्पडक परिवहन निगम का सबसे बड़ा बस जंक्शन है।

पीड़िता के मुताबिक, वह मंगलवार सुबह करीब साढ़े पाँच बजे पैठण जाने के लिए बस का इंतजार कर रही थी। तभी एक व्यक्ति उसके पास आया और कहा कि उसकी बस दूसरे स्टैंड पर आ गई है। इसके बाद आरोपी पीड़िता को विशाल बस अड्डा परिसर के एक सुनसान हिस्से (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट से कुमारस्वामी को राहत नहीं मिली

नयी दिल्ली, 26 फरवरी। उच्चतम न्यायालय ने केन्द्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी के कर्नाटक के मुख्यमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल से जुड़े भूमि विमुद्रीकरण मामले में उनके खिलाफ आपराधिक कार्रवाई रद्द करने से इनकार कर दिया है। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और राजेश बिंदल की पीठ ने मंगलवार को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम में 2018 के संशोधन के तहत छूट की मांग करने वाली कुमारस्वामी की याचिका को खारिज कर दिया और कहा कि संशोधन को पूर्वापनी रूप से लागू नहीं किया जा

सुप्रीम कोर्ट ने, कुमारस्वामी पर उनके कार्यकाल से जुड़े भूमि डीमॉनिटाइजेशन मामले में अपराधिक कार्यवाही पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया।

सकता। इस निर्णय से बनशंकरा में 02 एकड़ और 24 गुंटा भूमि के विमुद्रीकरण के संबंध में मुकदमे की कार्रवाई का मार्ग प्रशस्त होता है, जिसे 1997 में बेंगलुरु विकास प्राधिकरण (बीडीए) द्वारा अधिग्रहित किया गया था। बाद में बीडीए की आपत्तियों के बावजूद 2010 में इस भूमि को निजी पक्षों को 4.14 करोड़ में बेच दिया गया था। यह मामला एक निजी शिकायत से शुरू हुआ था, जिसके कारण लोकायुक्त पुलिस ने भारतीय दंड (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यूक्रेन की जमीन के नीचे दबे खनिज को अमेरिका ललचाई नज़रों से देख रहा है?

-सुकुमार साह-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 फरवरी। यूक्रेन की युद्धग्रस्त धरती के नीचे भविष्य का खजाना छुपा है, जो वैश्विक सत्ता समीकरणों को नया आकार दे सकता है। यहां दुर्लभ खनिजों, लीथियम व टाइटेनियम के भंडार हैं। इस समय दुनिया में ऐसे भविष्य की ओर बढ़ रही हैं और टेकनॉलॉजी व सैन्य सर्वोच्चता की मुख्य कुंजी हैं, इसलिए अमेरिका इन पर आधिपत्य चाहता है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने कहा है कि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलादिमिर जैलेन्स्की शुरुवार 28 फरवरी को निजी मुलाकात के लिए वाशिंगटन आ सकते हैं तथा इस दौरान खनिज निकालने के समझौते पर हस्ताक्षर हो सकते हैं।

फाइनेशियल टाइम्स ने मंगलवार को बताया कि यूक्रेन और अमेरिका के बीच खनिज निकालने की डील की शर्तों पर सहमति हो गई है। कीव को यकीन है कि इससे अमेरिका की यूक्रेन के प्रति दृगामी सुरक्षा प्रतिबद्धताओं का रास्ता साफ होगा।

समझौते के अंतिम प्रतिरूप, जो 24 फरवरी को तैयार हुआ है, में एक ऐसा कोष बनाने का प्रावधान है, जिसमें

हर देश भविष्य में विश्व में रूतबा बनाये रखने के लिए हाई-टैक हथियार, इलैक्ट्रिकल व्हिकल्स तथा अक्षय ऊर्जा पर अपना नियंत्रण बनाये रखना चाहता है। इन हाई-टैक हथियार व इलैक्ट्रिक वाहन आदि के लिये रेअर अर्थ मिनरल्स जैसी लीथियम, टाइटेनियम की आवश्यकता रहती है। यूक्रेन में भूमि के नीचे इन खनिजों का विपुल भण्डार है, जिसकी कीमत 500 बिलियन डॉलर आंकी जाती है।

इसके अलावा यह भी सत्य है कि चीन के पास विश्व के लीथियम का 34 प्रतिशत लीथियम भण्डार है और रूस के पास टाइटेनियम की भी भारी सप्लाई है।

अमेरिका, चीन व रूस पर निर्भर नहीं रहना चाहता है, इन खनिजों के लिए। अतः यूक्रेन के इन खनिजों के भण्डार को जमीन से निकाल कर इण्डस्ट्रियल उपयोग में लेने में भारी रुचि रखता है।

यूक्रेन अपने खनिज संसाधनों जिनमें तेल और गैस भी शामिल हैं, के भावी मुद्रीकरण से 50 प्रतिशत राज्यस्व आर्बंट करणा, साथ ही संबंधित परिवहन सुविधा भी देगा।

एग्रोमैट में उन खनिजों को शामिल नहीं किया गया है, जिनका राज्यस्व पहले ही यूक्रेन के बजट में जोड़ा जा चुका है, यानि यह समझौता नैफ्टोजेज और यूरानाफटा में चल रही गतिविधियों पर लागू नहीं होगा। अंतिम प्रारूप से 500 अरब डॉलर का रिकंस्ट्रक्शन फंड बनाने का प्रावधान हटा दिया गया है, जिसके

तहत यूक्रेन को अपने खनिज उत्खनन राज्यस्व का 50 प्रतिशत स्थानान्तरित करना पड़ता और जिसमें अमेरिका अपना शतप्रतिशत वित्तीय हित बनाए रखेगा।

एग्रोमैट में अमेरिका से सुरक्षा गारंटी का कोई उल्लेख नहीं है। कीव ने शुरू में डील के एवज में यह गारंटी मांगी थी। इसमें अन्य कई महत्वपूर्ण मुद्दों, जैसे फंड में यूएस का हिस्सा और संयुक्त ऑनरशिप के समझौते की शर्तों का उल्लेख नहीं है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

50 लाख डॉलर में खरीदी जा सकेगी अमेरिका की नागरिकता

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प ने दुनियाभर के अमीरों के लिए "गोल्ड कार्ड" स्कीम घोषित की

-डॉ. सतीश मिश्रा-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 फरवरी। अमीरों को अमेरिका में बसने के लिए आकर्षित करने हेतु अमेरिकन राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने एक नई इमिग्रेशन पहल घोषित की है, जिसका लक्ष्य अमीर विदेशी निवेशक हैं। यह नीति है "गोल्ड कार्ड", जिसके तहत 50 लाख डॉलर के भुगतान पर अमेरिका की नागरिकता हासिल की जा सकती है।

ट्रम्प ने कहा, "हम गोल्ड कार्ड बेचने का रहे हैं, इस पर हम 50 लाख डॉलर की कीमत रखने जा रहे हैं।"

वर्तमान के ईबी-5 वीसा कार्यक्रम की जगह होने वाली नीति निवेशक को ग्रीन कार्ड की सुविधा देगी और वे निवेश के जरिए अमेरिका की नागरिकता प्राप्त कर सकेंगे।

मौजूदा ईबी-5 वीसा कार्यक्रम 1990 से शुरू हुआ था। इसके तहत उन विदेशी निवेशकों के लिए अमेरिकन

यह योजना ईबी-फाइव वीसा कार्यक्रम की जगह लागू की जा रही है। ईबी-फाइव वीसा कार्यक्रम में 10.5 लाख डॉलर के निवेश और रोजगार सृजन पर ग्रीन कार्ड दिए जाने का प्रावधान था, तथा आर्थिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों के लिए निवेश की सीमा 8 लाख डॉलर ही थी।

सूत्रों ने बताया कि ईबी-फाइव वीसा योजना का फर्जी तरीके से लाभ उठाकर ट्रम्प परिवार के लोगों ने प्रॉपर्टी डवलपमेंट में काफी पैसा लगाया था।

ट्रम्प ने पत्रकारों के सवाल के एक जवाब में यह भी कहा कि रूस के अमीर भी यह गोल्ड कार्ड खरीद सकते हैं।

नागरिकता का प्रावधान था, जो पूँजी निवेश के जरिए रोजगार सृजित करते थे या संरक्षित करते थे। इसमें निवेश की न्यूनतम सीमा 1.05 मिलियन डॉलर थी तथा आर्थिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों के लिए यह राशि 8 लाख डॉलर थी। भ्रष्टाचार, फर्जीवाड़े की आशंका के चलते इस योजना की भारी आलोचना

हो रही थी। बिजनेस से जुड़े लोग, ट्रम्प परिवार के लोगों ने प्रॉपर्टी के काम में इसका इस्तेमाल किया है।

ट्रम्प ने कहा कि गोल्ड कार्ड, ग्रीन कार्ड की सुविधा देगा और यह अमेरिकन नागरिकता प्राप्त करने का जरिया बनेगा। उन्होंने कहा कि यह कार्ड (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोहन बिष्ट दिल्ली विधानसभा के डिप्टी स्पीकर बनेंगे

नयी दिल्ली, 26 फरवरी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से मुस्तफाबाद के विधायक मोहन सिंह बिष्ट दिल्ली विधानसभा के उपाध्यक्ष होंगे। विधानसभा की ओर से 27 फरवरी के लिए आज जारी कार्यसूची में उपाध्यक्ष के निर्वाचन के बारे में जानकारी दी गई। इसमें कहा गया है कि मुख्यमंत्री रेखा

27 फरवरी को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता उनके नाम का प्रस्ताव करेंगी तथा कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा प्रस्ताव का समर्थन करेंगे।

गुप्ता प्रस्ताव करेंगी कि बिष्ट को उपाध्यक्ष चुना जाए। मुख्यमंत्री के प्रस्ताव का कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा समर्थन करेंगे। बिष्ट के उपाध्यक्ष चुनने के लिए विधायक अनिल कुमार शर्मा दूसरे प्रस्तावक होंगे और गजेन्द्र सिंह यादव उनका समर्थन करेंगे।

तीन साल बाद यूक्रेन युद्ध समाप्ति की ओर बढ़ रहा है: ट्रम्प की भूमिका महत्वपूर्ण रही

पर, एक चतुर व्यापारी की तरह ट्रम्प ने यह हासिल करने के लिये कई तरह की "डील्स" कीं व परम्परागत मित्रों में भेद पैदा किये और नये "मित्र" बनाये, नये रिश्ते कायम किये, विश्वसनीयता को भी दांव पर लगाकर

-अंजन राय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 26 फरवरी। यूक्रेन में तीन साल से जो युद्ध चल रहा है, जो अब समाप्त होने जा रहा है। अपने दावों के मुताबिक, अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प युद्ध को समाप्त करने के लिए सभी तरफ से समझौते कर रहे हैं।

पश्चिम की प्रमुख समाचार एजेंसियाँ रिपोर्ट कर रही हैं कि यूएसए और यूक्रेन के बीच एक महत्वाकांक्षी खनिज समझौता हुआ है, जो प्रभावी रूप से युद्ध के अंत की घोषणा करता है। यूक्रेन के साथ, ट्रम्प एक ऐसा समझौता कर रहे हैं, जिसमें उसके विविध प्राकृतिक संसाधनों - तेल और

गैस, टाइटेनियम और अन्य दुर्लभ खनिजों का विकास किया जाएगा, वर्तमान में इन खनिजों पर चीन की मोनोपॉली है। यूक्रेन में चिन्हित संसाधनों में से 85 से अधिक वर्तमान में चीन में प्रोसेस होते हैं। यदि चीन इन खनिजों को आपूर्ति को रोकता है, तो यह अमेरिका के लिए कठिन हो सकता है।

इन खनिजों का मूल्य अनुमानित रूप से 100 बिलियन से 500 बिलियन तक हो सकता है और चीन के साथ अमेरिका के विवाद में यह एक बड़ी राहत प्रदान करेगा। इन खनिज संसाधनों तक अमेरिका की स्वतंत्र पहुँच, अमेरिका को, अधिक आक्रामक रूप से चीन को धमकी देने में मदद करेगी।

उदाहरण के लिये, रूस के यूक्रेन की भूमि पर किये गये कब्जे का सत्यापन कर दिया, पहली बार अमेरिका ने यू.एन. के प्रस्ताव पर रूस व नॉर्थ कोरिया के साथ वोट किया।

पहली बार, अमेरिका व यूरोपियन यूनियन यू.एन. प्रस्ताव में अलग-अलग खेमे में खड़े थे।

अमेरिका व रूस की बढ़ती नज़दीकियों ने चीन की सालों की मेहनत पर पानी फेर दिया। चीन का सदा प्रयास रहा है कि रूस व अमेरिका के बीच दीवार खड़े तथा रूस चीन के नज़दीक रहे, बनिस्पत अमेरिका के। पर, यहाँ भी ट्रम्प दोनों के बीच "खाई-सी" बनाने में कामयाब रहे।

यूएसए के यूक्रेन के साथ समझौते

को एक "प्रोटेक्शन रैकट" कहा जा रहा

'दक्षिण के किसी राज्य की सीटें कम नहीं होगी, "डीलिमिटेशन" से'

अमित शाह ने दक्षिण भारत के राज्यों के "डीलिमिटेशन" से दक्षिण भारत के राज्य की संसद में सीटों की संख्या कम होने वाली चर्चा को निरर्थक बताया व ठण्डे छींटे देने देने का प्रयास किया

-डॉ. सतीश मिश्रा-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 फरवरी। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज दक्षिणी राज्यों की आशंकाओं को शांत करने की कोशिश की तथा दावे के साथ कहा कि दक्षिण के किसी भी राज्य, जिनमें तमिलनाडु भी शामिल है, की संसदीय सीटें कम नहीं होंगी। ज्ञातव्य है कि एक दिन पहले ही तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने कहा था कि अगर परिसीमन जनसंख्या के आधार पर किया जाता है, तो "राज्य के ऊपर" अनिश्चिता की "तलवार" लटकती रहेगी।

शाह ने तमिलनाडु के सतरारूढ़ दल पर हमला बोलते हुये कहा, "मुख्यमंत्री (स्टालिन) और उनके पुत्र (उदयनिधि स्टालिन) कुछ मुद्दों को उभार कर तमिलनाडु की जनता को गुमराह कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व

पर दक्षिण भारत के राजनीतिज्ञों के मन में एक संशय अभी बरकरार है। इन लोगों की चिन्ता है, अगर यह मान भी लिया जाये कि दक्षिण भारत के राज्यों के सांसदों की संख्या में कोई कमी नहीं होती, पर, इसकी क्या गारंटी है, कि, उत्तर भारत के राज्यों से निर्वाचित होने वाले सांसदों की संख्या में कोई वृद्धि नहीं होगी।

वाली केन्द्र सरकार ने संसद में यह बात स्पष्ट कर दी है कि जनसंख्या या अनुपात के आधार पर होने वाले संसदीय क्षेत्रों के नये सीमांकन से दक्षिणी राज्यों के लोकसभा सदस्यों की संख्या कम नहीं होगी।"

लेकिन शाह के इस आश्वासन में भी छल-कपट की एक पतली गली है। उन्होंने जोर देते हुये यह तो कहा है कि मंत्री ने एक पार्टी कार्यालय का उद्घाटन किया, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया कि उत्तरी भारत के किसी भी राज्य में

लोकसभा सीटों की संख्या उन राज्यों की वर्तमान सीट संख्या से ज्यादा नहीं होगी। उनके दावे से जो प्रश्न उभर कर सामने आता है, वो यह है कि अगर सीट संख्या परिवर्तित नहीं होनी है, तो परिसीमन की कवायद आखिर की क्यों जा रही है?

दक्षिण भारत के एक विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ने अपना नाम गुप्त रखने की शर्त पर कहा कि कोयम्बटूर, जहाँ गृह मंत्री ने एक पार्टी कार्यालय का उद्घाटन किया, में भावना कार्यकर्ताओं के समक्ष बोलते हुये जो वक्तव्य दिया, वह अर्द्ध-

सत्य है, पूर्ण सत्य नहीं है। इस अवसर पर बोलते हुये, शाह ने द्रमुक के नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार पर निशाना साधते हुये कहा कि तमिलनाडु में सरकार ने राष्ट्र-विरोधी तत्वों, ड्रग-त्स्करो तथा अवैध खनन माफिया को खुली छूट दे रखी है।

मंगलवार को स्टालिन ने कहा था कि परिवार-नियोजन की नीतियों के सफल क्रियान्वयन के चलते, तमिलनाडु को नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा था, "अगर लोकसभा क्षेत्रों का परिसीमन जनसंख्या के आधार पर लागू किया जाता है, तो तमिलनाडु के आठ सांसद कम हो जायेंगे। इसके कारण, संसद में तमिलनाडु का प्रतिनिधित्व कम हो जायेगा।"

स्टालिन ने "एक्स" पर लिखा था, "तमिलनाडु का मुख्यमंत्री होने के नाते, (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नासिक कुम्भ पर अलग बैठक की शिंदे ने

नासिक, 26 फरवरी। महाराष्ट्र के नासिक में भी जल्द ही कुंभ का आयोजन होने वाला है और ऐसे में कुंभ की तैयारी की समीक्षा और चर्चा के लिए सीएम देवेन्द्र फडनवीस ने महत्वपूर्ण बैठक बुलाई है। हालांकि, इसमें डिप्टी सी.एम. एकनाथ शिंदे शामिल नहीं होंगे। मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडनवीस ने मुंबई के

वे मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडनवीस द्वारा बुलाई गई बैठक में शामिल नहीं होंगे।

सह्याद्री गेस्ट हाउस में दोपहर करीब 1 बजे एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई है। यहां आपको बता दें कि इस बैठक में एकनाथ शिंदे शामिल नहीं होंगे, क्योंकि आज उनके तय कार्यक्रम के अनुसार, वे सिंधुदुर्ग जिले के दौर पर हैं। इससे पहले एकनाथ शिंदे ने नासिक कुंभ की तैयारी के लिए नासिक जिले के प्रशासनिक अधिकारियों के साथ एक अलग बैठक की थी। शिंदे ने दावा किया कि उन्होंने यह बैठक इसलिए की थी, क्योंकि वे जिले में एक रैली करने आए थे।

महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

कोटा, (निर्स)। नयापुरा इलाके में एक महिला ने घर में फांसी का फन्दा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय महिला घर में अकेली थी। परिजन शादी समारोह में गये हुए थे, जब परिजन वापस आये और महिला को आवाज देने पर दरवाजा नहीं खोला तो पड़ोसी के मकान से अंदर देखा तो परिजनों को घटना का पता चला।

परिजन महिला को नीचे उतार कर एम्बुलेंस अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। नयापुरा थाने के एसआई नंद सिंह ने बताया कि मृतका नयापुरा निवासी भगवती बाई (40) है। एसआई ने बताया कि मामले में सामने आया कि परिवार के सदस्य भात लेकर आँटो से जाने के लिये निकले थे परिजनों ने भगवती को पीछे वाले आँटो में बैठने को कहा कि जिस पर भगवती नाराज होकर वापस घर में चली गई।

जब पति और बेटा उसे मनाने के लिये गया उसमें बाद भी महिला ने साथ जाने से मना कर दिया, जिसके बाद परिवार के सभी सदस्य चले गये महिला घर में अकेली थी। एसआई ने बताया कि महिला ने अंदर से कुंदी लगाकर साड़ी को पंखे के हुक में बांधकर फांसी का फन्दा लगा लिया।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने महाशिवरात्रि पर विभिन्न शिव मंदिरों में की पूजा अर्चना

जयपुर, । राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बुधवार को महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर अजमेर के विभिन्न शिव मंदिरों में पूजा अर्चना की, माथा टेका एवं सभी की सुख-समृद्धि एवं प्रदेश में खुशहाली की कामना की। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने इस अवसर पर कहा

■ **सनातन संस्कृति की एकता का परिचायक है महाकुंभ**

कि हमारे देश की प्राचीन संस्कृति और सनातन परम्परा समृद्ध है। ऐसी परामना एवं वैभवशाली सनातन संस्कृति और परम्परा दुनिया में कहीं और देखने को नहीं मिलती है।

यहां दुनिया का सबसे बड़ा मेला कुंभ भी आयोजित हो रहा है। जहां गंगा जी में स्नान करने दुनिया भर से करोड़ों भक्त पहुंचे हैं।

उन्होंने महाशिवरात्रि पर श्री ब्रह्मा सावित्री वेद विद्यापीठ, पुष्कर में परम् पूज्य राष्ट्र संत गोविंद देव गिरी जी



शिव मंदिरों में सभी की सुख-समृद्धि एवं प्रदेश में खुशहाली की कामना की।

महाराज का सान्निध्य और आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि महाराज जी के दिव्य मार्गदर्शन से आध्यात्मिक उन्नति, भारतीय संस्कृतिक संरक्षण और समाज सेवा की दिशा में निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। उनके विचार और उपदेश जीवन में सकारात्मकता और कर्तव्यनिष्ठा का संचार करते हैं। उनके आशीर्वाचनों से सत्य, आध्यात्म और राष्ट्र भक्ति की भावना प्रबल होती

है, जो जीवन को सच्चे अर्थों में सार्थक बनाने की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करता है। इससे पूर्व उन्होंने अर्जी वाले महादेव मंदिर रसायन शाला से पूजा पाठ से अपने दर्शन शुरू किए। इसके पश्चात भोलेश्वर महादेव मंदिर जनता कॉलोनी वैशाली नगर, श्री चित्रकूट धाम, पुष्कर में 11 फीट के शिवलिंग के दिव्य-अलौकिक दर्शन कर भोलेनाथ का अभिषेक किया, वैद्य नाथ मंदिर पुष्कर

रोड, जतोई दरवार नगीना बाग में महाशिवरात्रि के विशेष अवसर में मय्या टेका और सभी के सुख व समृद्धि की कामना की। महाशिवरात्रि के पानव अवसर पर अजमेर के वैशाली नगर में भोलेश्वर महादेव मंदिर में आयोजित ध्वजारोहण कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। देवनानी के साथ सीताराम शर्मा दीपेंद्र लालवानी सुरेश चारभुजा विक्रम सिंह राठौड़ संदीप तंवर आदि उपस्थित रहे।

रीट की आज से शुरू होगी परीक्षाएं

डमी अभ्यर्थियों को रोकने के लिए फेस रिकग्निशन तकनीक का इस्तेमाल

अजमेर, (कास)। दो दिवसीय रीट परीक्षा 2024 27 व 28 फरवरी को प्रदेश के 41 जिलों में एक हजार 731 केंद्रों प आयोजित होगी। परीक्षा नोड एजेंसी राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा परीक्षा में डमी अभ्यर्थी और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर फेस रिकग्निशन तकनीक का उपयोग करेगी। साथ ही परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी रखी जाएगी। परीक्षा में करीब 14 लाख 29 हजार 822 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है।

परीक्षा नोडल एजेंसी माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के सचिव कैलाश चंद्र शर्मा ने बताया कि परीक्षा दो दिन आयोजित की जाएगी। पहले दिन 27 फरवरी को प्रथम पारी में 4 लाख 61 हजार 321 और द्वितीय पारी में 5 लाख 41 हजार 599 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। पहले दिन 14 हजार 598 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। 41 हजार 1 (कक्षा 1 से 5 के लिए) 34 लाख 46 हजार 625 अभ्यर्थी।लेवल-2 (कक्षा 6 से 8 के लिए) 9 लाख 68 हजार 501 अभ्यर्थी तथा दोनों लेवल के लिए 1 लाख 14 हजार 696 अभ्यर्थी रजिस्टर्ड हुए हैं।

डमी अभ्यर्थियों को रोकने के लिए फेस रिकग्निशन: सचिव शर्मा ने बताया कि परीक्षा केंद्रों पर डमी अभ्यर्थियों को रोकने के लिए विशेष सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। पहले दिवस परीक्षा के एडमिट कार्ड में ब्यूआर कोड और फेस रिकग्निशन तकनीक का उपयोग किया गया है। परीक्षा केंद्र पर एडमिट कार्ड में सभी फोटो का मिलान लाइव फोटो से किया जाएगा।

यदि तस्वीर मेल नहीं खाती तो प्रवेश नहीं दिया जाएगा। साथ ही परीक्षा केंद्रों पर अंगुठी का निशान (फिंगरप्रिंट स्कैनिंग) भी ली जाएगी। परीक्षा केंद्र का गेट समय पर बंद कर दिया जाएगा।

जेईई-मेन 2025 : कैटेगरी बदलने का अंतिम मौका

कोटा, (निर्स)। देश की सबसे बड़ी इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई-मेन में इस वर्ष 16 लाख 35 हार हजार से अधिक स्टूडेंट्स ने आवेदन किया है, जो कि जेईई-मेन के इतिहास में सर्वाधिक आवेदन है। उल्लेखनीय है कि जेईई-मेन जनवरी के लिए पहले 13 लाख 78 हजार स्टूडेंट्स ने आवेदन किया था एवं 2 लाख 60 हजार से अधिक नए यूनिक कैडिडेट ने केवल अप्रैल परीक्षा के लिए आवेदन किया है। ऐसे में अप्रैल परीक्षा में बैठने वाले स्टूडेंट्स की संख्या लगभग 12 लाख से अधिक होगी। एनन कॅरियर इंस्टीट्यूट के कॅरियर काउंसिलिंग एक्सपर्ट अमित आहूजा ने बताया कि स्टूडेंट्स के हित को देखते हुए एनटीए द्वारा स्टूडेंट्स को करेशन का अंतिम विकल्प दिया गया है। स्टूडेंट्स करेशन के दौरान कोर्स, पेपर के मिडियम, स्टेट कोड ऑफ लेजिस्लेशन, परीक्षा शहर, दसवीं व 12वीं की क्वालीफिकेशन डिटेल्ड, जेंडर, कैटेगरी में बदलाव कर सकते हैं। करेशन का अवसर 28 फरवरी तक है।

एनटीए के इस करेशन विकल्प से देश के उन लाखों स्टूडेंट्स को राहत मिलती है, जिन्होंने जनवरी जेईई-मेन के दौरान कैटेगरी सर्टिफिकेट उपलब्ध नहीं होने के कारण ऑपन कैटेगरी से आवेदन कर दिया था।

पशु कल्याण पर राष्ट्रीय सम्मेलन शुरू

उदयपुर, (कास)। रासायनिक उर्वरकों के बेजान इस्तेमाल से परतीमाता और पौलीथिन व अन्य डिस्पोजेबल सामग्री से गोमता की सेहत इतनी बिगड़ चुकी है कि वह दिन दूर नहीं जब दोनों माताएं स्पष्ट बोल देंगी कि 'बच्चों माफ करना अब हम खाद्यान्न और दूध देने में असमर्थ हैं।' यह बात स्कूल शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने कही। मंत्री दिलावर बुधवार को राजस्थान कृषि महाविद्यालय के नूतन सभागार में 'कृषि दक्षता और पशु कल्याण को सुदृढ़ बनाने की दिशा में सटीक पशुधन प्रबंधन तकनीक' विषयक तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते रहे थे। सम्मेलन में देशभर के 29 प्रतिों के लगभग चार सौ वैज्ञानिक, पशुधन के ज्ञाता व किसान भाग ले रहे हैं।

दिलावर ने कहा कि गोमता नहीं होती तो ये सृष्टि भी संभवतया नहीं होती। गोमता के होने मात्र से हमने खाद्यान्न उत्पादन आरंभ किया, लेकिन अफसोस इस बात का है कि गोमता की नस्ल ही बिगड़ गई। आज असली गोमता के दर्शन तक दुर्लभ है। गिर, साहीवाल, आशपाकर गायों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जिनका कंधा ऊंचा हो, सही मानने में उन्हीं गायों का दूध लाभप्रद है।

केंद्रों पर अभ्यर्थियों की संख्या:

प्रदेश के 41 जिलों में परीक्षा आयोजित होगी। सबसे अधिक परीक्षा केंद्र जयपुर (233) में बनाए गए हैं, जबकि सबसे अधिक अभ्यर्थी भी जयपुर (2 लाख 70 हजार 18) में परीक्षा देंगे। इसी प्रकार अलवर जिले में 74 केंद्रों पर 65 हजार 954 अभ्यर्थी, भारतपुर जिले में 93 केंद्रों पर 74 हजार 164 अभ्यर्थी, जोधपुर जिले में 75 केंद्रों पर 64 हजार 999 अभ्यर्थी, कोटा जिले में 67 केंद्रों पर 53 हजार 780 अभ्यर्थी, सीकर जिले में 51 केंद्रों पर 41 हजार 877 अभ्यर्थी, उदयपुर जिले में 55 केंद्रों पर 56 हजार 854 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे।

दो माह से बंद पड़ी कस्बे की श्री अन्नपूर्णा रसोई

मसूदा, (निर्स)। पूर्व कांग्रेस सरकार ने ठाम पंचायत मसूदा में दो एवं ग्राम पंचायत देवगली में एक इंदिरा रसोई का शुभारंभ पूर्व विधायक राकेश पारीक द्वारा किया गया था। भाजपा सरकार ने इंदिरा रसोई का नाम बदलकर श्री अन्नपूर्णा रसोई किया गया। मसूदा विधायक वॉरेंड सिंह कानावत ने प्रथम बजट घोषणा में मसूदा ग्राम पंचायत को नगर पालिका बनने के बाद से सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से बंद पड़ी है। मसूदा कस्बे की दो अन्नपूर्णा रसोई जहरूमतंद व आशपाकर कस्बों में बताया कि कस्बे में

नगर पालिका बनने के बाद से श्री अन्नपूर्णा रसोई योजना के तहत संचालित दोनों रसोई पिछले दो माह से बंद है। प्रशासन ने इन्हें फिर से शुरू करने के लिए अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया। इससे गरीब और जहरूमतंद लोगों को भोजन के लिए भटकने को मजबूर है। नगर पालिका बनने से पहले ग्राम पंचायत मसूदा क्षेत्र में राजीव गांधी सेवा केंद्र सुरुपुर गेट एवं राजीव गांधी सेवा केंद्र मसूदा चिकित्सालय व्यावर रोड के सामने इंदिरा रसोई योजना के तहत श्री अन्नपूर्णा रसोई संचालित थी, लेकिन नगर पालिका

बनने के बाद पंचायत स्तरीय टेका होने के कारण दोनों रसोई बंद कर दी गई। पंचायत समिति ने श्री अन्नपूर्णा रसोई क्रमांक 484 और 486 को बंद कर दिया साथ रसोई का पूरा स्ट्रक्चर रजिस्टर तैयार कर एजेंसी से सामान लेकर सुरुक्षि रखवा दिया। अब जिला परिषद से नगर पालिका को आदेश मिलने के बाद ही इन रसोई को फिर से शुरू किया जाएगा। लेकिन दो माह बिताने के बाद भी संचालन के आदेश जारी नहीं हुए। श्री अन्नपूर्णा रसोई में जहरूमतंद को राज्य सरकार के अनुदान पर आठ रुपये में

भोजन होने से क्षेत्र के गरीबों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जिम्मेदार लोग जानकर भी अनजान बन बैठे हैं। जानकारी के अनुसार पूर्व में भी प्रशासनिक अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि आए दिन श्री अन्नपूर्णा से नगरिीक्षण करते दिखाई दिए थे अब वह लोग कहीं गुम हो गए। मसूदा नगर पालिका ईओ अक्षय राजपुरोहित का कहना है कि मसूदा नगर पालिका इंडी से श्री अन्नपूर्णा रसोई के संबंधित जानकारी लेने का प्रयास किया लेकिन संपर्क नहीं हो पाया।

'ऑपरेशन भौकाल' के तहत डम्पर चोरी के मामले में 4 आरोपी गिरफ्तार



जालोर जिले के सांचौर पुलिस ने डम्पर चोरी के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया।

30 साल निवासी रायपुर पुलिस थाना तिजारा अलवर, असलम खां पुत्र इशराम खां जाति नाई मुसलमान उम्र 38साल निवासी रायपुर पुलिस थाना तिजारा जिला अलवर, व दिलशान उम्र 24 साल निवासी मलीयराजट पुलिस थाना तिजारा जिला अलवर, को गिरफ्तार किये गये है।

उपरोक्त संदिग्ध व्यक्तियों से बिना कारण जिले में घूमने के सम्बंध में गहन पुछताछ की गई तो गैरसायलनों द्वारा 1. माह अप्रैल 2023 में चन्दवाजी जयपुर, 2. नवम्बर 2023 में पाली, 3. जुन 2023 में सिरौही, 4. मार्च 2024 में जोधपुर, 5. दिसम्बर 2023

फिर मौका मिलने पर जो वाहन ज्यादा समय तक एक स्थान पर खड़ा रहता है तथा उसके पास किसी व्यक्ति का आना-जाना नहीं होने पर उपरोक्त वाहनों को मिस्त्री की सहायता से स्टार्ट कर वहां से लेकर अलवर की तरफ निकल जाते हैं। वही रानीवाड़ा पुलिस ने फर्जी मुख्तियारनामा बनाकर रजिस्ट्री के जरिये जमीन हड़पने वाले के विरुद्ध कार्यवाही एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया। रानीवाड़ा में फर्जी मुख्तियारनामा के बनाकर जमीन हड़पने की निर्यति से रजिस्ट्री करवाने का मुख्य अभियुक्त दुर्गाराम को गिरफ्तार कर बाद अनुसंधान न्यायालय में पेश कर जेल भिजवाया गया। प्राथी भोमाराम पुत्र चेलाराम जाति कलबी निवासी चाटवाड़ा के द्वारा पुलिस थाना रानीवाड़ा पर 10 अप्रैल 2023 को अभियोग पंजिबद्ध करवाया कि अभियुक्तगण दुर्गाराम पुत्र जीवाराम कलबी निवासी मेड़ा व भीखाराम पुत्र गोदाजी जाति कलबी निवासी जालोर खुर्द के द्वारा सरहद चाटवाड़ा में स्थित प्राथी के एसआर पैट्रोल पंप की जमीन का फर्जी मुख्तियारनामा बनाकर जमीन को रजिस्ट्री के जरिये अभियुक्त दुर्गाराम की पत्नी लक्ष्मी के नाम हस्तांतरित करवा दिया।

डोटासरा के लिए गीता मायने नहीं रखती : शिक्षा मंत्री

उदयपुर, (का.स.)। शिक्षा मंत्री ने मदन दिलावर बुधवार को उदयपुर में स्कूल के एक कार्यक्रम में विधानसभा में चल रही खींचतान को लेकर कहा कि डोटासरा के लिए गीता मायने नहीं रखती उन्होंने चौपाल के बढमाश-गुंडों जैसा व्यवहार किया, आसन का ऐसा अपमान आज तक नहीं हुआ।

शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री ने विधानसभा मामले में कहा कि गीता की सांगंध खाने की बात कहने वाले डोटासरा के लिए गीता मायने ही नहीं रखती है। डोटासरा को ईंगो छोड़कर माफी मांग लेनी चाहिए। आसन का ऐसा तोड़ देना। अब ऐसे में उनके लिए गीता क्या मायने रखती है।डोटासरा तो भगवान राम और श्रीकृष्ण को मानते ही नहीं है। दिलावर ने कहा कि बैठक में तय हो गया था कि डोटासरा माफी मांगेंगे। निलंबित सदस्यों को सदन में नहीं बुलाते, लेकिन स्पीकर की सहवयता देखिए उनको विशेष स्वीकृति दी। इसके बाद सदन में आकर वे मुकुर गए और सदन स्थगित हो गया।दिलावर ने कहा कि जो भाषण उचराने दिया और सदन स्पीकर के लिए जिन शब्दों का उपयोग कर आसन का अपमान किया। वैसा राजस्थान में आज तक किसी ने भी नहीं किया।

सार-समाचार

नकली घी के संदेह में माल पकड़ा

जोधपुर, (कास)। पुलिस आयुक्तालय जोधपुर के पूर्व जिला पुलिस ने डांगियावास क्षेत्र में नकली घी के संदेह में काफी मात्रा में माल को जब्त किया। माल एक गाड़ी से दूसरी में शिफ्ट किया जा रहा था। पुलिस ने मौके पर दो तीन संदिग्ध लोगों को भी पकड़ा, जिनसे पृष्ठताछ की जा रही है। पुलिस ने बाद में फूड निरीक्षक को बुलाकर सैंपलिंग करवाई है। संदेह है कि डांगियावास में किसी स्थान पर नकली घी को तैयार किया जा रहा है जोकि नामी ब्राण्ड के नाम से बेचा जाता है। कंपनी प्रतिनिधि को शिक्षायत पर पुलिस ने यह कार्रवाई की। अब आरोपी के खिलाफ कांपी राइट एवं धोखाधड़ी में प्रकरण दर्ज किया है। प्रशिक्षु आईपीएस एवं कार्यवाहक डांगियावास थानाधिकारी आसिमा वासवानी ने बताया कि मंगलवार की शाम को सूचना मिलने पर पुलिस डांगियावास क्षेत्र में पहुंची थी। तब पता लगा कि एक गाड़ी से दूसरी में नकली घी को शिफ्ट किया जा रहा है। इस पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर वहां 15-15 किलोटांम के 12 खोखे को जब्त किया है। नामी कंपनी का ब्राण्ड लेबल लगा हुआ था। घी नकली होने के अंदेरे से फूड इंस्पेक्टर को बुलाया गया और सैंपलिंग करवाई गई है। प्रशिक्षु आईपीएस आसिमा ने बताया कि मौके पर दो तीन संदिग्ध को पकड़ा गया है। मामले में उत्तरप्रदेश के नोएडा निवासी विनय कुमार की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें अब पीपाड शहर के पंकज पुत्र नांदकिशोर राठी को नामजद किया गया है। फिलहाल उसकी गिरफ्तारी नहीं हुई है।

एमपी से लाया गया अफीम का दूध पकड़ा

जोधपुर, (कास)। जोधपुर शहर की करवड़ पुलिस ने देसूरिया विश्रोईयान स्थित गौड़ कॉलोनी में एक किएए के कमरों में रहने वाले श्रमिक के यहां से 656 ग्राम अफीम का दूध बरामद किया है। उसे एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार किया गया है। अफीम का दूध वह मध्यप्रदेश के स्वरास से लाया वता रहा है और यहां स्थानीय लोगों को बेचने के लिए लाया था। फिलहाल उससे और तस्वीर की जा रही है। थानाधिकारी लेखराज सिहाग ने बताया कि मुखबिरी सूचना मिली कि देसूरिया विश्रोईयान स्थित गौड़ कॉलोनी में किएए पर रहने वाला अयामलाल पुत्र रामलाल मेघवाल अवैध रूप से मादक पदार्थ तस्करी का कार्य करता है। इस पर पुलिस की टीम ने वहां पर रेड दी और उसके कमरों से 656 ग्राम अफीम का दूध बरामद किया। वह मूल रूप से झालावाड़ के टिकरिया गांव का रहने वाला है और यहां पर मजदूरी करता है। थानाधिकारी लेखराज सिहाग के अनुसार आरंभिक पृष्ठताछ में उसने बताया कि वह यह अफीम का दूध मध्यप्रदेश के स्वरास से लाया था। मामले में अब अतिम जांच मथानिया थानाधिकारी जयकिशन सोनी की तरफ से की जा रही है।

ताले तोड़ कर लाखों का च्वारगम चुराया

जोधपुर। शहर के सालावास रोड पर आए एक वेयर हाउस में 23-24 फरवरी की रात को अज्ञात चोरों ने ताले तोड़कर वहां से लाखों का च्वारगम ले गए। पिकअप में आए चोरों ने 50 बैग च्वारगम के ले गए। सीसीटीवी फुटेज चैक करने पर संदिग्ध पिकअप नजर आई। पुलिस अब इस बारे में गाड़ी का पता लगाने के साथ चोरों की तयारी कर रही है। वेयर हाउस के मैनेजर ने इस बारे में विवेक विहार थाने में रिपोर्ट दी है। मामले के अनुसार लूणी तहसील के भट्टाखा में रहने वाले अर्जुन पुत्र धेवरराम मेघवाल ने यह रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि वह स्टार एटोवीयर हाउसिंग कंपनी में मैनेजर के पद पर कार्यरत है। उसकी कंपनी का एक वेयर हाउस सालावास रोड पर मंचू जैन वेयर हाउस नाम से आया है। महिनों दो तीन बार इस वेयर हाउस में स्टॉक चैक किया जाता है। 24 फरवरी को स्टॉक चैक करने पहुंचे तब मैन गेट के ताले टूटे मिले। अंदर जाकर चैक करने पर 50 बैग च्वारगम के कम पाए गए। एक बैग में 50-60 किलोटांम च्वारगम आता है। यहां लगे सीसीटीवी फुटेज चैक करने पर मालूम हुआ कि 23-24 फरवरी की रात में एक पिकअप आई थी। जिसमें माल भरकर ले गई। कुछ संदिग्ध लोग नजर आए हैं। यह पिकअप बाद में गोराला होठे हुए जयपुर बाइपास की तरफ जाती नजर आई। मैनेजर अर्जुन मेघवाल की रिपोर्ट पर विवेक विहार पुलिस अब गाड़ी को पहचान के साथ चोरों की तलाश में जुटी है।

घायल श्रमिक की मौत

जोधपुर, (कास)। शहर के बोरानाडा स्थित रिको एरिया में सोमवार की शाम को निर्माणधीन भवन पर कार्य करते एक हाइड्रो केर ने पलटी खा गई थी जिसमें कार्य कर रहा श्रमिक नीचे गिरने से घायल हो गया था। अब इस श्रमिक की अस्पताल में उपचार के बीच मौत हो गई। उसकी पत्नी ने हाइड्रो के चालक के खिलाफ केस दर्ज करवाया है। बोरानाडा पुलिस ने बताया कि नई भाखरी सूरसागर निवासी इरफान सोमवार को बोरानाडा रिको एरिया पेपसी तिराहा के पास में एक निर्माणधीन भवन पर कार्य कर रहा था। वह हाइड्रो केर ने चढ़ा हुआ था। तब यह केन अचानक से पलटी खा गई और जिससे इरफान नीचे गिर गया और बुरी तरह घायल हो गया था। इस पर उसे मजदूरी को मदद से तत्काल अस्पताल ले जाया गया। मगर उसकी बाद में मौत हो गई। घटना को लेकर वीडियो भी वायरल हुआ था। मृतक इरफान की पत्नी सानू ने इस बारे में बोरानाडा थाने में केन चालक राजन भंडारी के खिलाफ केस लापरवाही से चलाने का आरोप लगाते हुए माफीनामा मांग करवाया है। पुलिस ने शव को कार्रवाई कर परिजन के सुपुर्द कर दिया।

मुख्यमंत्री ने दी प्रस्ताव को मंजूरी

जयपुर। प्रदेश की कृषि मंडियों में आधारभूत सुविधाएं सुदृढ़ करने की दिशा में राज्य सरकार निम्नर मत्वपूर्ण निर्णय ले रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हनुमानगढ़ टाउन कृषि उपज मंडी समिति के मंडी यार्ड में विद्युत्, मरम्मत एवं नवीन निर्माण कार्यों के लिए 8 करोड़ 47 लाख रुपये से अधिक की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी की है। मुख्यमंत्री शर्मा के इस निर्णय से हनुमानगढ़ टाउन कृषि उपज मंडी समिति के मंडी यार्ड में कृषि बिजस को बारिश के जानी से बचाने के लिए कवरिंग शेड का निर्माण, फ्लट लाइट्स, सी.सी.टी.वी कैमरे लगाने आदि के कार्य किये जाएंगे।

पोक्सो कोर्ट में 6 साल पहले 186 मामले, अब 303 मुकदमे विचारधीन

बीकानेर। यहां एकमात्र पोक्सो कोर्ट होने से हर साल पेंडिंग मामलों की संख्या बढ़ ती जा रही है, जिससे आमजन को न्याय मिलने में देरी हो रही है। पोक्सो कोर्ट में 6 साल पहले 186 मामले लंबित थे, जिनकी संख्या हर साल बढ़ ती गई और वर्ष, 24 में 286 पहुंच गई। अब राज्य सरकार ने अपने बजट में एक और नई पोक्सो कोर्ट खोलने की घोषणा की है, जिससे ट्रायल और फेंसले जल्दी होंगे।

बीकानेर जिले में केवल एक ही पोक्सो कोर्ट है। जिले भर के पोक्सो के मामले इसी कोर्ट में आते हैं। गंभीर प्रकृति के मामले होने के कारण इनके ट्रायल में भी समय लगता है। ऐसे में हर साल पेंडिंग मामलों की संख्या बढ़ ती जा रही है, जिसे देखते हुए एक और पोक्सो कोर्ट की आवश्यकता जताई जा रही थी।

नाबालिगों से यौन अपराध की सुनवाई के लिए वर्ष, 18 में बीकानेर में पोक्सो कोर्ट शुरू किया गया। लगातार बढ़ ते अपराधों से पोक्सो कोर्ट में भी मामलों की संख्या बढ़ ती गई। कोर्ट खुलने के एक साल बाद वर्ष, 19 की शुरुआत में 186 मामले पेंडिंग थे। पिछले साल के अंत में 286 पहुंच गई। लगातार बढ़ ते मामलों से ट्रायल और फेंसलों में समय लग रहा है। वर्तमान में पोक्सो कोर्ट में 303 मामले पेंडिंग चल रहे हैं। अब राज्य सरकार ने अपने बजट में बीकानेर में नई पोक्सो कोर्ट खोलने की घोषणा की है। एक और नई पोक्सो कोर्ट खुलने से ट्रायल जल्दी होगी और सुनवाई पूरी कर फेंसले भी जल्दी किए जा सकेंगे।

बार काउंसिल ऑफ राजस्थान के सदस्य कुलदीप शर्मा का कहना है कि बीकानेर शहर में 10 और ग्रामीण इलाकों में 15 लाइव जनसंख्या हो गई है। ऐसे में एकमात्र पोक्सो कोर्ट में करीब 300 मामलों के ट्रायल से न्याय में देरी होना स्वाभाविक है।

ऐसे में एक और नई पोक्सो कोर्ट की सख्त आवश्यकता था। न्यायिक कर्मचारी संघ के अध्यक्ष गिरिराज बिस्वा का कहना है कि अक्टूबर, 18 में बीकानेर में पोक्सो कोर्ट शुरू हुआ था। पहले साल 194 मामलों में से 8 का निपटारा हुआ। एक कोर्ट में 200 से ज्यादा मामले पेंडिंग हो तो दूसरे कोर्ट शुरू किया जा सकता है। ऐसे में पांच साल पहले ही बीकानेर में दूसरी पोक्सो कोर्ट खोल देनी चाहिए थी। प्रदेश में मामलों की संख्या बढ़ ती गई। कोर्ट खुलने के एक साल बाद वर्ष, 19 की शुरुआत में 186 मामले पेंडिंग थे। पिछले साल के अंत में 286 पहुंच गई। लगातार बढ़ ते मामलों से ट्रायल और फेंसलों में समय लग रहा है। वर्तमान में पोक्सो कोर्ट में 303 मामले पेंडिंग चल रहे हैं। अब राज्य सरकार ने अपने बजट में बीकानेर में नई पोक्सो कोर्ट खोलने की घोषणा की है। एक और नई पोक्सो कोर्ट खुलने से ट्रायल जल्दी होगी और सुनवाई पूरी कर फेंसले भी जल्दी किए जा सकेंगे।

बार काउंसिल ऑफ राजस्थान के सदस्य कुलदीप शर्मा का कहना है कि बीकानेर शहर में 10 और ग्रामीण इलाकों में 15 लाइव जनसंख्या हो गई है। ऐसे में एकमात्र पोक्सो कोर्ट में करीब 300 मामलों के ट्रायल से न्याय में देरी होना स्वाभाविक है।

ऐसे में एक और नई पोक्सो कोर्ट की सख्त आवश्यकता था। न्यायिक कर्मचारी संघ के अध्यक्ष गिरिराज बिस्वा का कहना है कि अक्टूबर, 18 में बीकानेर में पोक्सो कोर्ट शुरू हुआ था। पहले साल 194 मामलों में से 8 का निपटारा हुआ। एक कोर्ट में 200 से ज्यादा मामले पेंडिंग हो तो दूसरे कोर्ट शुरू किया जा सकता है। ऐसे में पांच साल पहले ही बीकानेर में दूसरी पोक्सो कोर्ट खोल देनी चाहिए थी। प्रदेश में मामलों की संख्या बढ़ ती गई। कोर्ट खुलने के एक साल बाद वर्ष, 19 की शुरुआत में 186 मामले पेंडिंग थे। पिछले साल के अंत में 286 पहुंच गई। लगातार बढ़ ते मामलों से ट्रायल और फेंसलों में समय लग रहा है। वर्तमान में पोक्सो कोर्ट में 303 मामले पेंडिंग चल रहे हैं। अब राज्य सरकार ने अपने बजट में बीकानेर में नई पोक्सो कोर्ट खोलने की घोषणा की है। एक और नई पोक्सो कोर्ट खुलने से ट्रायल जल्दी होगी और सुनवाई पूरी कर फेंसले भी जल्दी किए जा सकेंगे।

गहलोत सरकार में पुलिस मजबूर थी, आज मजबूत है : मदन राठौड़

अध्यक्ष को कपोल-कल्पित खबर पर कष्ट पहुंचा, तो व्यक्तिगत खेद प्रकट करूंगा : डोटासरा

जयपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने भाजपा कार्यालय में प्रेस वार्ता की, इस दौरान साथ में उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा और कैबिनेट मंत्री सुमित गोदारा भी मौजूद रहे। राठौड़ ने कहा कि जब अशोक गहलोत मुख्यमंत्री थे, तब उनकी अपने उपमुख्यमंत्री से लड़ाई चलती रहती थी। आपसी लड़ाई में विधायक होटलों में रहे, उन्हें तो सरकार चलाने का समय ही कब मिला। गहलोत सरकार में पुलिस मजबूर थी, आज मजबूत है। माफियाओं को पनपाने का काम गहलोत सरकार ने किया। भाजपा सरकार ने तो माफियाओं पर लगाम लगाकर अपराध को रोकने का काम किया है।



भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ और उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा बुधवार को प्रेस से रूबरू हुए।

- 'कांग्रेस पार्टी है लोकतंत्र विरोधी, विधायक वही जो सदन एवं आसन का सम्मान करें'
- 'नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली दिख रहे असहाय'

प्रतिपक्ष टीकाराम जूली असहाय दिख रहे हैं। सदन लोकतांत्रिक व्यवस्था से ही चलेगा। सबसे बड़ी बात तो यही है कि डोटासरा विधानसभा अध्यक्ष के आसन तक पहुंचे। उन्होंने वहां पहुंचकर जो आचरण किया उससे सदन की गरिमा को ठेस पहुंची है। डोटासरा ने ऐसे शब्दों का इस्तेमाल किया, जिन्हें दोहराना भी उचित नहीं है। मदन राठौड़ ने कहा कि अशोक गहलोत सदन में आते ही नहीं हैं, परंतु अब विधानसभा गतिरोध मामले में

अचानक आकर सुर्खियां बटोरने का काम कर रहे हैं। प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि गोविंद डोटासरा ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की भी बात नहीं मानी, जबकि गहलोत को अपने चहेते व्यक्ति डोटासरा को अच्छे से समझना चाहिए था।

राठौड़ ने कहा कि अशोक गहलोत और विधानसभा स्पीकर के मकान में ज्यादा दूरी नहीं है। वो खुद जाकर भी स्पीकर से माफी मांग सकते थे। गहलोत जी ने भी सदन का सम्मान नहीं किया। डोटासरा भी पहले तो विधानसभा अध्यक्ष के ऑफिस में वादा करके आए परंतु सदन में बदल गए और खेद प्रकट नहीं करके वादा खिलाफी की। कांग्रेस को माफी मांगनी चाहिए और सदन को चलाने में सहयोग करना चाहिए। सदन और आसन का सम्मान करते हुए नियमों का पालन करना एक व्यवस्था होती है, इसलिए कांग्रेस नेताओं को सदन की गरिमा का ध्यान रखना चाहिए।

जयपुर। विधायक गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि विधानसभा की कार्यवाही के दौरान सदन के भीतर एवं सदन नहीं चलने के दौरान हुए संपूर्ण घटनाक्रम पर सदन में मेरे द्वारा प्रकट किए गए खेद के एक-एक शब्द की गवाह राजस्थान की जनता है। लेकिन उसके बावजूद कल अध्यक्ष को एक समाचार पत्र में छपी कपोल-कल्पित खबर पर भावुक देखकर मन को कष्ट पहुंचा है। देवनाजीजी अच्छे एवं नेक इंसान हैं लेकिन बिना तथ्यों को जाने एवं बिना दूसरे पक्ष को सुने अवास्तविक हवाई खबर पर यूं प्रतिक्रिया देंगे यह अपेक्षा से परे है।

उन्होंने कहा कि फिर भी उन्हें कष्ट पहुंचा है, तो मैं व्यक्तिगत तौर पर उनसे मिलकर खेद प्रकट करूंगा लेकिन सवाल फिर भी मंत्री को माफी का बाकी रहेगा, जो समझौते में तय हुआ था और जिसका जिम्मे स्वयं अध्यक्ष ने कल की कार्यवाही के दौरान किया था। सदन में उत्पन्न गतिरोध का कारण मंत्री अविनाश

- भगवान शंकर ने संसार की भलाई के लिए हलाहल विष का पान किया, हमें भी हठधर्मिता को भुलाकर सदन को चलाने के लिए प्रयास करना होगा : जूली

गहलोत की अशोभनीय टिप्पणी है, जो उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी के लिए की है। देश के लिए बलिदान देने वाली पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा का अपमान किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। 5 दिन बीतने के बाद भी न तो मंत्री की माफी हुई है और न ही अशोभनीय टिप्पणी को स्पंज किया गया है जो पूरी तरह अन्यायपूर्ण और देश के महानायकों को अपमान है। हम चाहते हैं कि गतिरोध दूरे, पक्ष-विपक्ष मिलकर सदन चलाए और प्रदेश की जनता के मुद्दों पर सार्थक चर्चा हो।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने गतिरोध को लेकर कहा कि आज महाशिवरात्रि का पर्व है, जो हमें त्याग और कर्तव्य की सीख देता है। जिस तरह भगवान शंकर ने संसार की भलाई के

लिए हलाहल विष का पान किया, उसी तरह हमें भी जनहित के लिए व्यक्तिगत हित, मान, अपमान और हठधर्मिता को भुला कर सदन को सुचारु रूप से चलाने के लिए प्रयास करना होगा। ऐसे में अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के साथ प्रतिपक्ष की ओर से मैं आपके साथ हूँ। हमें उदारमाना बनकर प्रदेशहित में सारे घटनाक्रम को भुला नई शुरुआत करनी चाहिए। इसके लिए हम सभी को शंकर की भूमिका निभानी होगी। हमें भी राजस्थान की 8 करोड़ जनता के हित में अपमान रूपी विष पीना होगा और लंबे समय से चल रहे गतिरोध को तोड़ना होगा। आइए, इस महाशिवरात्रि पर हम सब लोकतंत्र की मजबूती के लिए संकल्प लें और सदन को जनहित के मुद्दों पर सार्थक चर्चा का मंच बनाएं।

भारती वर्मा को ओबीसी का महासचिव नियुक्त



जयपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अन्य पिछड़ा वर्ग विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष कैप्टन अजय सिंह यादव के निर्देशानुसार प्रदेशाध्यक्ष हरसहाय यादव ने भारती वर्मा कुमावत को कांग्रेस अन्य पिछड़ा वर्ग विभाग की प्रदेश महासचिव पद पर नियुक्त किया है। वर्मा की नियुक्ति से संगठन को मजबूती मिलेगी।

विधि विज्ञान प्रयोगशाला से एफ.एस.एल. रिपोर्ट साठ दिन के भीतर ली जाए : हाईकोर्ट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने एफएसएल रिपोर्ट आने में हो रही देरी पर चिंता जताते हुए डीजीपी को निर्देश दिए हैं कि विधि विज्ञान प्रयोगशाला से एफएसएल रिपोर्ट अधिकतम साठ दिन में प्राप्त की जाए। इसके लिए डीजीपी एफएसएल निदेशक से समन्वय करें। अदालत ने डीजीपी को 18 मार्च को यह बताने को कहा है कि एफएसएल रिपोर्ट जल्दी प्राप्त करने के लिए उनकी ओर से क्या टोस कदम उठाए गए हैं। वहीं अदालत ने एनडीपीएस प्रकरण से जुड़े मामले में आरोपी को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। जस्टिस अनिल कुमार उपमन की एकलपीठ ने यह आदेश धीरज सिंह परमार की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

प्रतिबंधित पदार्थ की मात्रा को देखते हुए आरोप पत्र दाखिल किए बिना उसे अधिकतम साठ दिन के लिए ही न्यायिक अभिरक्षा में रखा जा सकता था। मामले में एफएसएल रिपोर्ट 130 दिन की देरी से आई है। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता आरएस गुर्जर ने अदालत को बताया कि मानसरोवर थाना पुलिस ने करीब 24 ग्राम एमडीए रखने के आरोप में याचिकाकर्ता को गत वर्ष 18 मार्च को गिरफ्तार किया था। वहीं 11 सितंबर, 2024 को एफएसएल रिपोर्ट में आया कि बरामद पदार्थ एमडीए ना होकर मेथामफेटामाइन था। याचिका में कहा गया कि एमडीए की वाणिज्यिक मात्रा दस ग्राम और मेथामफेटामाइन की 50 ग्राम है। ऐसे में मामले की जांच साठ दिन में पूरी हो जानी चाहिए थी, लेकिन पुलिस ने 12 सितंबर, 2024 को आरोप पत्र पेश किया। ऐसे में उसे जमानत का लाभ दिया जाए। जिसका विरोध करते हुए सरकारी वकील ने कहा कि याचिकाकर्ता के खिलाफ श्याम नार थाना पुलिस में भी एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज है।



माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर द्वारा 27 फरवरी एवं 28 फरवरी को आयोजित होने वाली राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा (रिट-2024) के लिये जयपुर में परीक्षार्थियों का दूसरे शहरों से आना शुरू हो गया है। परीक्षार्थियों की अधिकता के कारण जयपुर रेलवे स्टेशन पर उन्हें खुले आसमान के नीचे ही सोना पड़ रहा है। गौरतलब है कि इस परीक्षा में जयपुर शहर के 233 परीक्षा केंद्रों पर तीन पारी में 2 लाख 70 हजार 18 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। फोटो : दिनेश भारद्वाज

शिवमय हो उठी छोटी काशी, भोलेनाथ के जयकारों से गूंजे शिवालय



हर हर महादेव के जय कारों से गुंजा झारखंड महादेव मंदिर का परिसर। महा शिवरात्रि पर शिव भक्तों की मंदिर में लंबी लाइन में लगे भक्तों ने शिव लिंग पर अभिषेक करते हुए ॐ नमः शिवाय बम बम भोले के जयकारों से वातावरण को शिव मय बना दिया।



जयपुर के जीपीओ प्रांगण स्थित श्री विश्वदीप महादेव मंदिर में बुधवार को महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में 8 पहर की पूजा बड़ी धूमधाम से की गई, जिसमें सुरेश पुरोहित, हनुमान शर्मा एवं अन्य भक्तों का सहयोग रहा। भजन संध्या की प्रस्तुति कान्हा म्यूजिकल ग्रुप सांगाने की रही।

जयपुर। महाशिवरात्रि पर बुधवार को छोटीकाशी शिवमय हो उठी। शिवालय हर हर महादेव के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। प्राचीन शिव मंदिरों के बाहर भक्तों की लंबी कतारें लगीं। विशेष ज्योतिषीय योग-संयोग में श्रद्धालुओं ने सुबह से शाम तक भोलेनाथ की पूजा-अर्चना की। वहीं, नवविवाहिताओं ने शिवालय में जयघट चढ़ाई। बुध मालव्य, शश, बुधदित्य योग, श्रवण नक्षत्र के बाद धनिष्ठा नक्षत्र, परिच योग, वणिज करण के बाद शकुनि करण और मकर राशि के चंद्रमा में शिवाभिषेक का सिलसिला ब्रह्म मुहूर्त में शुरू होकर देर शाम तक चलता रहा। प्रथम प्रहर दूध से अभिषेक किया गया। द्वितीय प्रहर दही से, तृतीय प्रहर में घी से और चतुर्थ प्रहर में शहद से अभिषेक किया गया। शाम को देशी-विदेशी फूलों से भोलेनाथ की फूल बंगला झांकी सजाकर भजनों से गुणगान किया गया। चौड़ा रास्ता स्थित ताड़केश्वर महादेव मंदिर में सुबह ब्रह्म मुहूर्त से अभिषेक का क्रम शुरू हो गया। सुबह होने तक सिटी पैलेस तक लाइन लग गई। इसके बाद तो लाइन का एक छोरी बड़ी चौपड़ तक पहुंच गया। कतारों में लगे श्रद्धालुओं ने हर हर महादेव के जयघोष से उत्साह कम नहीं होने दिया। मंदिर पूरे समय हर हर



साल में एकबार आम जनता के लिए दर्शनों के लिए खुलने वेक मोती डूंगरी स्थित एकलिंगेश्वर महादेव मंदिर इस साल भी नहीं खुला। लोग आस्था के चलते पहुंचे पर बंद मिलने पर नीचे से ही डोक दे मायूस ही लौट गए। मौके पर तैनात पुलिस कर्मी भी लोगों को समझाते रहे। महादेव से गुंजायमान रहा। श्रद्धालुओं गत्रे का रस, पंचामृत, दूध, नागकेशर, ने भगवान को बिल्व पत्र, भांग, धतूरा, गाजर, बेर, सोगरी, पुष्प अर्पित किए।

पुजारी अनित पाराशर ने बताया कि शाम को फूलों से विशेष झांकी सजाई गई। वैशालीनगर के झाड़खंड महादेव मंदिर में सुबह 4:30 बजे पट खुलने से श्याम चार बजे तक जलाभिषेक का सिलसिला चला। हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने विभिन्न द्रव्यों से अभिषेक किया। थार्डलैंड और बेंगलूर से विशेष फूलों से विशेष झांकी सजाई गई। 200 से अधिक स्वयंसेवकों ने व्यवस्थाएं संभाली। महिला-पुरुष की लाइनें अलग-अलग लगाई गईं। बुजुर्गों के लिए ईरिक्का की व्यवस्था की गई। रात्रि को भजन संध्या में भोलेनाथ का भजनों से गुणगान किया गया। गोविंद देवजी

मंदिर ठिकाने के आमेर रोड स्थित काला महादेव मंदिर में महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में पंचामृत अभिषेक कर विभिन्न सामग्री अर्पित की गई। दिल्ली रोड स्थित खोले के हनुमान मंदिर परिसर के आनन्देश्वर महादेव का पुष्करराज से लाई जाने वाली कावड़ जल से जलाभिषेक किया गया, यहाँ चार पहर की पूजा की गई। झोटावाड़ा रोड स्थित चमत्कारेश्वर महादेव में श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक कर बिल्व पत्र अर्पित किए। गलता गेट स्थित गीत गायत्री द्वादश ज्योतिर्लिंग मंदिर में पं. राजकुमार चतुर्वेदी के सान्निध्य में शिवाभिषेक किया गया।

सिरसी रोड पर एक युवक को 61 एक्टिव सिम, दो मोबाइल व बाइक के साथ पकड़ा

जयपुर। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए साइबर टगी के एक अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का खुलासा किया है। जयपुर के वैशाली नगर इलाके में सिरसी रोड से स्थानीय पुलिस को साथ लेकर एक युवक यशवंत सिंह पंवार (21) निवासी गुर्जर बस्ती शास्त्री नगर जयपुर को 61 एक्टिव मोबाइल सिम व दो मोबाइल सहित पकड़ा है। आरोपी दुबई में बैठे इस गिरोह के सरगना के कहने पर अरुणाचल प्रदेश एवं आसाम से फर्जी सिम मंगवाता है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एंटी गैंगस्टर

अरुणाचल प्रदेश एवं अन्य शहरों से भी मिलती है। प्रारंभिक पूछताछ में यह भी सामने आया है कि जयपुर में इस गिरोह द्वारा ऑफिस बना रखा है, जहां पर उनके पास कई छोटे-छोटे सिम बॉक्स हैं। जिनमें यह एक साथ कई मोबाइल सिम लगा उसे एक्टिव करते हैं। सिम बॉक्स अलग-अलग कैटेगरी के हैं। किसी में 30, किसी में 40 और उससे ज्यादा भी सिम लगती है। जयपुर में उनके ऑफिस संचालित करने के बारे में अनुसंधान किया जा रहा है। इस गिरोह के सरगना अभिषेक ने दुबई में कहीं एक कॉल सेंटर बनाया है।

सार-समाचार

कलाकारों ने कई रागों के सुर साधे



जयपुर। अनेक बाल व युवा कलाकारों ने शास्त्रीय संगीत की विभिन्न रागों के सुर साध कर अपनी तैयारी पक्ष और रियाज का उम्दा प्रदर्शन किया। मौका था बुधवार को शुरू हुए संगीत आश्रम संस्थान के तीन दिवसीय शास्त्रीय संगीत समारोह का। शास्त्रीनगर स्थित संस्थान परिसर में हो रहे समारोह के पहले दिन संगीत के स्टूडेंट्स ने सुर, लय और ताल की उम्दा बानगी दर्शाकर गायन और वादन की प्रस्तुति दी। कलाकारों ने सुरों के खूबसूरत लगाव, उद्वाराव और पकड़ का सुन्दर प्रदर्शन कर रागों का नैसर्गिक सौन्दर्य छलकाया।

संज्ञेय अपराध की जांच हैड कांस्टेबल कर सकता है या नहीं?

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने पुलिस कमिश्नर को 28 फरवरी को अदालती कार्रवाई में शामिल होकर यह बताने को कहा है कि क्या किसी संज्ञेय अपराध की जांच हैड कांस्टेबल कर सकता है या नहीं? जस्टिस अनिल कुमार उपमन की एकलपीठ ने यह आदेश राजू की ओर से दायर जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। जमानत याचिका में अधिवक्ता राहुल अग्रवाल ने अदालत को बताया कि जहरखुरानी के इस मामले में पीड़ित ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। याचिकाकर्ता बेकपूर है, लेकिन पुलिस ने उसे मामले में फंसाते हुए आरोप पत्र पेश किया है। जबकि पुलिस ने जांच के दौरान शिनाख्त परेड भी नहीं कराई। जिससे पुलिस का अनुसंधान ही दूषित हो गया है।

विवाह सहायता राशि बढ़ाई

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशा अनुरूप राज्य सरकार किसान, गरीब, महिला एवं युवाओं के कल्याण के प्रति कृतसंकल्पित होकर कार्य कर रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने महात्मा ज्योतिबा फूले मंडी श्रमिक कल्याण योजना के अन्तर्गत विवाह सहायता राशि में वृद्धि करने की स्वीकृति प्रदान की है। मुख्यमंत्री शर्मा के इस संवेदनशील निर्णय से उन्नत योजना में अब अनुज्ञाथारी श्रमिकों की दो पुत्रियों के विवाह पर 25 हजार रूपये की बढ़ोतरी करते हुए प्रति विवाह 75-75 हजार रूपये की सहायता राशि दी जाएगी।

शिवरात्रि पर्व मनाया

जयपुर। सी-स्क्रीम में भगत सिंह मार्ग स्थित मंदिर श्री लक्ष्मी नारायणजी में बुधवार को शिवरात्रि पर्व मनाया गया। इस दौरान मंदिर परिसर को भव्य रूप से सजाया गया। वहीं भगवान का विशेष श्रृंगार किया गया। इस दौरान स्थानीय नागरिकों ने सुबह से ही भगवान शिव की पूजा अर्चना शुरू कर दी। लोगों की भीड़ पूरे दिन लगातार जारी रही। शिवाभिषेक का सिलसिला ब्रह्म मुहूर्त में शुरू होकर देर शाम तक चलता रहा। वहीं श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर में भजन कीर्तन किया।

बदमाश सहित खरीदार भी गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) ने अशोक नगर थाना इलाके में वाहन चोरों खिलाफ कार्रवाई करते हुए दुपहिया वाहन चुराने और मोबाइल चोरी करने वाले एक शातिर चोर अभिषेक शर्मा को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपित के कब्जे से चोरी के दुपहिया वाहन पांच एक्टिव मोटरसाइकिल एवं सात चोरी के महंगे मोबाइल बरामद किए हैं। इसके अलावा पुलिस ने मोबाइल चोरी के खरीदार विकास मालचन्दका को भी गिरफ्तार किया है।

महाशिवरात्रि का पर्व हम सभी के जीवन में नई ऊर्जा का संचार करता है: मंत्री रावत

भगवान गणेश जी से राज्य की समृद्धि की कामना की

पुष्कर/ अजमेर, (कासं)। राजस्थान के जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर पुष्कर में श्री भटबाय गणेश जी महाराज के दर्शन लाभ प्राप्त किए। इस अवसर पर उन्होंने भगवान गणेश जी से राज्य की समृद्धि और जनता की खुशहाली को कामना की। मंत्री श्री रावत ने मंदिर में श्रद्धा भाव से पूजा अर्चना की और धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया। रावत ने इस अवसर पर कहा कि महाशिवरात्रि का पर्व हमारे जीवन में शांति और सुख-समृद्धि लाने वाला होता है।

मंत्री रावत ने लिया संतों का आशीर्वाद और शिव परिवार का किया जलाभिषेक- जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने श्री ब्रह्मा सावित्री वेद विद्यापीठ, पुष्कर में परम विष्णुपित राष्ट्र संत श्री गोविंद देव गिरी जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया और प्रांगण में स्थित भगवान शिव मंदिर में शिव पंचायत का जलाभिषेक कर पूजाअर्चना की। उसके बाद मंत्री रावत ने श्री रामसखा आश्रम पुष्कर में आचार्य श्री महामंडलेश्वर नंदराम शरण देवाचार्य जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया। तत्पश्चात प्राचीन श्री अरुमटेश्वर महादेव मंदिर, श्री 108 शिवालिंग मंदिर में भगवान महाकाल की पूजा-अर्चना कर जलाभिषेक किया। इसके साथ ही मंत्री रावत ने माली समाज द्वारा महाशिवरात्रि



जल संसाधन मंत्री रावत ने महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर पुष्कर में भटबाय गणेश जी महाराज के दर्शन किए ।

के उपलक्ष में पुष्कर में निकाली गई भगवान श्री शंकर की सवारी यात्रा कार्यक्रम में भी भाग लिया। मंत्री रावत का परम पूजनीय सभी संतो द्वारा और माली समाज द्वारा भव्य स्वागत अभिनंदन किया गया । मंत्री रावत ने बताया कि भारतवर्ष में संतों धार्मिक, सांस्कृतिक और समाजिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। संतों का मार्गदर्शन आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक उत्थान के मार्ग पर चलने को प्रेरणा देता है।

मंत्री रावत ने 11 फीट के विशाल शिवालिंग पर विराजित हनुमान जी महाराज

का किया जलाभिषेक-महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर चित्रकूट धाम बांसोली में आयोजित भव्य महोत्सव में जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने भगवान शिव के दिव्य अलौकिक दर्शन किए और भगवान शिव का जलाभिषेक किया। इस अवसर पर उन्होंने भगवान शिव की सहस्र धारा कार्यक्रम में भी भाग लिया, जो विशेष रूप से शिव भक्तों के लिए एक अत्यंत पवित्र और श्रद्धेय अवसर था। कार्यक्रम के दौरान, रावत ने भगवान शिव के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हुए कहा कि महाशिवरात्रि का पर्व हम सभी के जीवन

में नई ऊर्जा, ताजगी और समृद्धि का संचार करता है। सभी कार्यक्रमों में मंत्री रावत के साथ शिव स्वरूप महर्षि, भुवनेश पाठक, वेद प्रकाश पाराशर, अरुण वैष्णव, अरुण पाराशर, महेंद्र खंगारोत, घनश्याम धाटी, कुलदीप पाराशर, दामू पाराशर, लक्ष्मी देवी पाराशर, राजू गोड आदि भाजपा पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में भक्तगण और स्थानीय लोग उपस्थित रहे। भगवान शिव के जलाभिषेक और सहस्र धारा कार्यक्रम ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया और श्रद्धालुओं ने इस अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना की।

पोक्सो एक्ट में आरोपी गिरफ्तार

गंगापुर सिटी । पुलिस ने नाबालिग के साथ छेड़छाड़ के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता के निर्देशन में चल रहे विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। घटना 13 फरवरी 2025 को शाम 4 से 5 बजे के बीच गंगापुर सिटी थाना क्षेत्र के एक गांव में हुई। पुलिस ने इस मामले में पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश राजोरा और पुलिस उपाधीक्षक संतराम मीणा के निरीक्षण में कार्रवाई की गई। थानाधिकारी बनी सिंह के नेतृत्व में गठित टीम में सहायक उप निरीक्षक रामबाबू सिंह, कान्हेनदेवल तेजगार और राजमल शमिल थे। पुलिस महिलाओं और बालिकाओं से जुड़े अपराधों की रोकथाम के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है।

बम-बम भोले के जयकारों से भीलवाड़ा गुंजा

भीलवाड़ा। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर वरुणनगरी के शिवालयों में बुधवार भोर से ही बम-बम भोले के जयकारों के साथ भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है। शहर के प्रमुख हरणी महादेव और तिलस्वा मंदिर में मेले शुरू हो गये हैं। हरणी महादेव मंदिर में आज सुबह से ही श्रद्धालु पहुंचने शुरू हो गए दर्शनों के लिए लंबी कतारें लगी हैं लोग बम बम भोले सहित विभिन्न उद्घोष और मंत्र उच्चारण करते हुए हाथों में पूजा की थाल और गंगे पर कई श्रद्धालु पहुंच रहे हैं दला। मंदिर की देखरेख करने वाले महादेव जाट ने बताया कि आज ब्रज के चलते जलाभिषेक किया जा रहा है, चार पहर की चार पूजा की जाएगी। वहीं दूसरी ओर जिले के

तिलस्वा महादेव मंदिर में भी सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी है। महा शिवरात्रि का विशेष अवसर होने से सभी शिवालयों को फूलों से सजाया गया है। भक्तों की ओर से शहर, दुध, पानी से अभिषेक किया जा रहा है। इसके साथ ही बेल के पत्तों का अर्पण कर मनोकामना मांगी जा रही है। इसी के साथ ही कई मंदिरों में शाम को भजन संध्या का भी आयोजन होने वाला है। जिसके लेकर भी भक्त व मंदिर प्रबंधन के लोग तैयारियों में जुटे हुए हैं। भीलवाड़ा शहर के हरणी महादेव मंदिर में तीन दिवसीय मेले का आगाज हो गया है। 28 फरवरी तक मंदिर परिसर में कई धार्मिक आयोजन होने वाले हैं। इसी क्रम में बुधवार की

शाम को भजन संध्या का आयोजन होगा है। जिसमें अनिल नागौरी एंड पार्टी, जोधपुर अपनी प्रस्तुति देंगे। वहीं गुज्वार को गोकुल शर्मा एंड पार्टी, भगवान शिव की आकर्षक झलकियां सजाएंगे। शुक्रवार को विशाल कवि सम्मेलन का आयोजन होगा। इस बार हरनी महादेव मेला धार्मिक रंग के तो रंग हुआ ही है, लेकिन राजनीत रंग भी मेले पर खूब चढ़ता नजर आ रहा है। दरअसल हरनी महादेव मेले का आयोजन नगर निगम द्वारा करवाया जाता है, अनुमान इस मेले के आयोजन में 10 से 12 लाख का खर्चा होता है और मेले के भव्य आयोजन को लेकर हर वर्ष आमंत्रण पत्र से लेकर प्रचार प्रसार के भरसक प्रयास किए जाते हैं।

महाराष्ट्र मजदूरी के गए भील समाज के व्यक्ति से निर्दयता से मारपीट

आसींद (निसं)। जिले के आसींद क्षेत्र के परासोली गांव के लक्ष्मण भील पिछले 25 दिनों से मौत की चुप्पती देते हुए बिस्तर में जीवन जीने की जंग लड़ रहा है। लक्ष्मण भील के साथ हुई घटना रूढ़ कर्पा देने वाली घटना है, आसींद क्षेत्र के ही परासोली गांव में निवासरत लक्ष्मण भील बताया कि क्षेत्र के ही तेजू राम गुर्जर व सुरेश गुर्जर कोली खेड़ा बरसनी द्वारा महाराष्ट्र के लातूर में कुएं खदने के लिए ले जाया गया, जब लक्ष्मण ने गांव आने की इच्छा जाहिर की तो इन दबंग ठेकेदारों द्वारा लक्ष्मण को नीम के पेड़ के बांधकर बेहमी से पट्टे से मारा गया, मारपीट इतनी भयावकता से की गई कि लक्ष्मण के दोनों पैरों ने काम करना तक बंद कर दिया बेहोश लक्ष्मण सात दिन तक वहीं

- नीम के पेड़ बांधा, पट्टे से मारा, सात दिन तक अचेत रहा लक्ष्मण
- आसींद क्षेत्र के परासोली गांव का मामला

व्यक्तियों द्वारा आसींद पुलिस थाने में एक रिपोर्ट दी गई लेकिन रिपोर्ट पर पुलिस प्रशासन आंध्र मूंद कर बैठा रहा। उधर रिपोर्ट की सूचना पर दबंग ठेकेदारों द्वारा लक्ष्मण भील के घर परासोली पहुंचकर यह धमकियां दी जाने लगी कि पुलिस रिपोर्ट उठा लेव अन्यथा अन्य लोगों के भी हाथ पैर तोड़ दिए जाएंगे। धमकी के बाद पुनः लक्ष्मण के परिवार द्वारा आसींद पुलिस थाना अधिकारी हंसपाल को 20 फरवरी को रिपोर्ट दी गई लेकिन आसींद पुलिस द्वारा दौषियों को किसी तरह की कार्रवाई नहीं की गई। आधिकारिक इस गरीब दलित आदिवासी लक्ष्मण के साथ हुई इस निर्दय घटना पर आसींद थाना अधिकारी हंसपाल द्वारा क्या कार्रवाई नहीं की गई, क्या वजह रही की थानेदार साहब को कार्यवाही रोकनी पड़ी।

जयकार से गुंजे शिवालय

गंगापुर सिटी । उपखंड क्षेत्र में बुधवार को महाशिवरात्रि का पर्व धूमधाम से मनाया गया। मंदिरों में धार्मिक आयोजनों की रौनक देखने को मिली। पर्व की तैयारियां दो दिन पहले से शुरू हो गई थीं। मंदिरों की साफ-सफाई की गई। रोशनी और रंग-बिरंगे कपड़ों से सजावट की गई। सुबह से ही शिव भक्तों का मंदिरों में आना शुरू हो गया। भक्तों ने पंचामृत से शिवालिंग का अभिषेक किया। शिव परिवार का विशेष श्रृंगार किया गया। बेलपत्र, आक, धतूरा, दूब, बेर, गाजर और मूली का भोग लगाया गया। गुलाल, अबीर और चंदन से भी भगवान का श्रृंगार किया गया। मंदिरों में शिव चालीसा, शिव तांडव स्त्रोत और रुद्राष्टक का पाठ किया गया। शहर के प्रमुख मंदिरों में बालाजी चौक मंदिर, उधादमंदिर, श्री कल्याणजी मंदिर, उदेई मोड मनोहर सिद्ध हनुमान जी मंदिर, श्री गणेश जी मंदिर, श्री सीतारामजी मंदिर और मां चन्द्रपानी मंदिर शामिल रहे। सभी मंदिरों में दिनभर श्रद्धालुओं की भीड़ देखने को मिली। भक्तों ने अपने परिवार की खुशहाली और सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की।

विधायकों ने रोशन हत्याकांड में परिवारजनों को उनके घर पहुंच कर ढांडस बंधाया

आरंई, (निसं)। आरंई क्षेत्र के पाण्डरवाडा गांव में 19 फरवरी को हुए रोशन हत्याकांड मामले में प्रदेश कांग्रेस कमेटी की चार सदस्य कमेटी मृतक के घर पहुंची और परिजनों को सांत्वना देकर ढांडस बंधाया। कमेटी में किशनगढ़ विधायक विकास चौधरी, पौलीबंगा विधायक विनोद गोठवाल, श्रीकरनपुर विधायक रूपेंद्र सिंह कुन्नर व वामनवास विधायक इंद्रिया मीणा ने परिवारजनों को सांत्वना देते हुए कहा कि पूरी कांग्रेस पार्टी पीड़ित परिवार के साथ है। इस मौके पर विधायकों ने पुलिस प्रशासन से निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि कोई भी आरोपी बचना नहीं चाहिए। इस दौरान विधायक विकास चौधरी ने रोशन की स्मृति में सामुदायिक भवन निर्माण की घोषणा की इस दौरान कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी कार्यकर्ता सहित जिला परिषद सदस्य पंचायत समिति सदस्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

मदनगंज-किशनगढ़ संवाददाता के अनुसार : निकटवर्ती गांव पांडरवाडा (बोराडा) में खेत की



पाण्डरवाडा गांव में विधायकों ने पहुंच बालिका के परिजनों ढांडस बंधाया।

खवाली करने वाली बहिन का गला रेतकर नृशंग हत्या करने की वारदात को लेकर कांग्रेस विधायकों की टीम ने वारदात के बारे में जानकारी लेकर सांत्वना दी। विगत 19 फरवरी को छोट्टू बेरवा की 20 वर्षीय पुत्री रोशन बेरवा की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या

कर दी। प्रतिनिधि मंडल ने दलित परिवार को आश्वासन दिया कि पुलिस की गिरफ्त में आये गुनहागार को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने के लिये सार्थक प्रयास किये जायेंगे। उन्होंने पुलिस उपाधीक्षक उमेश गौतम को मौके पर बुलाकर त्वरित न्याय दिलाने के लिए निर्देशित किया।

नाबालिग छात्रा से गैंगरेप का आरोप

डीडवाना ।जिले के मौलासर थाना क्षेत्र के बरडवा गांव की नाबालिग स्कूली छात्रा को मिलने के बहाने बुलाकर गैंगरेप करने का मामला दर्ज होने के साथ ही पुलिस ने पोक्सो एक्ट में मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू करते हुए चार आरोपियों को हिरासत में लिया है। साथ ही पीड़िता का मेडिकल करवाकर आगे की जांच गहनता से की जा रही है, पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बरडवा गांव की नाबालिग छात्रा के परिजनों ने रिपोर्ट दी है कि छात्रा अपनी सहेली के घर से वापस घर लौट रही थी परिजनों का आरोप है कि रास्ते में पांच युवक छात्रा को पकड़कर सुनसान मकान में ले गए, जहां उन्होंने छात्रा के साथ गैंगरेप की वारदात को अंजाम दिया। इस मामले में परिजनों ने पांचों आरोपितों के खिलाफ मौलासर थाने में मामला दर्ज करवाया है। नाबालिग के खिलाफ गैंगरेप का मामला दर्ज कर मामले की जांच डीडवाना वृताधिकारी धरम पुनिया को सौंपा गई है।

कौशल विकास का प्रशिक्षण

गंगापुर सिटी । पीएम श्री केंद्रीय स्कूल में बुधवार को बस्ता रहित दिवस पर विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रिंसिपल सत्यनारायण मीणा ने बताया कि नई शिक्षा नीति के तहत विद्यार्थियों को कितानी ज्ञान से आगे बढ़कर कौशल विकास का प्रशिक्षण दिया गया।

एस डी एम को ज्ञापन सौंपा

मदनगंज-किशनगढ़, (निसं)। जनरल मुस्लिम समाज द्वारा सदर शक्की मोहम्मद के नेतृत्व में उपखंड अधिकारी को औबोसी प्रमाण पत्र बनवाने में हो रही अनुविधा के सम्बन्ध में ज्ञापन सौंपा। सदर शक्की मोहम्मद ने अवगत कराया कि साधनों के लोगों को नये जाति प्रमाण पत्र बनवाने में समस्या आ रही है। अनावश्यक दस्तावेज को लेकर प्रमाण पत्र को लंबित रखा जा रहा है, जिससे आरटीई के फॉर्म या औबोसी या अल्पसंख्यक प्रमाण पत्र नहीं बन पा रहे हैं। सरकारी नौकरियों के लिये तय सीमा में फॉर्म नहीं भर सके। उपखंड अधिकारी ने शिष्टमंडल को आवस्त किया की शीघ्र ही समस्या का समाधान कर दिया जायेगा। शिष्टमंडल में एडवोकेट अब्दुल अजीज, फरहाद हनफी, सलीम छिपा, इशाक छिपा, बाबू अजंता अयूब सहित कई समाजबन्धु मौजूद रहे।

टोंक में ट्रैक्टर चोरी के आरोप में चार गिरफ्तार



जिला पुलिस अधीक्षक मन विकास सांगवान के निर्देशन में चोरी करने के 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया।

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक मन विकास सांगवान के निर्देशन में राजेश विद्यार्थी वृताधिकारी टोंक के सुपरविजन में थानाधिकारी मेहन्दास ओमप्रकाश द्वारा थाने की गठित टीम ने थाने में दर्ज बीएनएस प्रकार में वांछित आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी किये गये ट्रैक्टरों को उनके कब्जे से किया जता मेहन्दास थानाधिकारी ने बताया कि प्रार्थी द्वारा गत 27 जनवरी को उनका पुत्र सोहेल अपने ट्रैक्टर का काम करवाने के लिए गोपाल पांचाल के कारखाने पर ए.एच.-52, मदीना काटे के आगे, मेहन्दास पर खड़ा किया था, जहां से ट्रैक्टर गायब होने

चोरी किये गये ट्रैक्टरों को आरोपियों के कब्जे से किया जता

की रिपोर्ट पर थाने पर दर्ज कराई गई। थाने की गठित टीम ने चोरी गये ट्रैक्टर व वांछित आरोपीगण की तलाश शुरु की और तलाश में तकनीकी साधनों एवं मुखबीर की सूचना पर वारदात में शामिल आरोपी भरत्या उर्फ भरतलाल पुत्र लाल जाति मीणा उम्र 51 साल निवासी विछोछ घाना वाटोदा जिला सवाईमाधोपुर के

विरूद्ध चोरी, नकबजनी, लूट, हत्या, डकैती के कुल 52 प्रकरण दर्ज हैं, वहीं धमन्द्र मीणा पुत्र हरिलाल मीणा जाति मीणा उम्र 48 साल निवासी खण्डीप थाना वजीरपुर जिला सवाईमाधोपुर के विरूद्ध 32 प्रकरण दर्ज हैं, भवेश मीणा थाना वजीरपुर 4 प्रकरण दर्ज हैं एवं राजेश मीणा पुत्र भंवरसिंह उम्र 26 साल निवासी फुलवाडा (खण्डीप) थाना वजीरपुर के खिलाफ भी पूर्व में 2 प्रकरण दर्ज हैं।इन आरोपियों को करौली में ट्रैक्टर को बेचते हुए करौली पुलिस द्वारा पकडा गया ।

आत्महत्या का प्रयास करने वाली छात्रा ने दम तोड़ा

कोटा, (निसं)। इटावा थाना इलाके में आत्महत्या का प्रयास करने वाली नाबालिग छात्रा की एमबीएस अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। नाबालिग छात्रा ने अपने क्लासमैट से परेशान होकर यह कदम उठाया था, मामले में सामने आया कि बालिका को धमकाने वाला क्लासमैट छात्र भी नाबालिग है।

छात्रा ने अपने क्लासमैट से परेशान होकर यह कदम उठाया था

इटावा थानाधिकारी संदीप विस्नोई ने बताया कि बालिका ने घर में आत्महत्या का प्रयास किया। परिजनों ने शिकायत में उसके साथ उसकी क्लास में पढ़ने वाले एक छात्र पर उसकी बेटी पर शर्दी करने का दवाव बनाने का आरोप भी लगाया है।

सीआई ने बताया कि जिस पर आरोप लगा है वह भी नाबालिग है, उसने भी छात्रा से पहले सुसाईड की कोशिश की थी। बालिका के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। मामले में अनुसंधान जारी है।

श्रद्धालुओं की भीड़, भोलेनाथ का किया जलाभिषेक

अजमेर (कासं)। अजमेर शहर सहित जिले भर में महाशिवरात्रि का मंदिरों में धूमधाम के साथ मनाया। शहर के शिवालय बुधवार को भोलेनाथ के जयकारों से गुंजायमान हो उठे। महाशिवरात्रि पर्व पर लोगों ने मंदिरों और घरों में विधि विधान से पूजा अर्चना कर भगवान भोले नाथ से धर-परिवार में खुशहाली की कामना की। शिवालयों में श्रंगार, भजन, कीर्तन के साथ टंडाई का प्रसाद वितरित किया गया।

बम भोले के जयकारों से गुंजे शिवालय

अंदकोट स्थित श्री झरनेश्वर महादेव मंदिर में अलसुबह से ही भक्तों की दर्शन के लिए लाइन लगी हुई है। शहर के प्राचीन झरनेश्वर महादेव, मदार गेट स्थित प्राचीन शांतिेश्वर महादेव मंदिर ए नगीना बाग स्थित जताई दरबार, वैशाली नगर स्थित भोलेश्वर महादेव, अताड़ बगीची,

आरपीएससी के लोकेश्वर महादेव, बजरंगढ़, रामगंज, केसरगंज, अजय नगर कांच के मंदिर, साईं बाबा शिव मंदिर सहित अन्य मंदिरों में भोलेनाथ का मंत्रोच्चार के साथ पूजन किया गया, श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक और दुग्धाभिषेक के अलावा धतूरा, पुष्प और अन्य सामग्री चढ़ाकर पूजा-अर्चना की। नवकार नगर में भी सुबह आरती और प्रसाद वितरण हुआ। श्री सिद्धेश्वर महादेव मंदिर शास्त्री नगर विस्तार, एलआईसी कॉलोनी स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर, शांतिपुरा स्थित सत्यनारायण मंदिर, कैलाशपुरी, रम्बल रोड, आनासागर लिंक रोड,

पंचशील, फायसागर रोड, नया बाजार, सुभाष उद्यान स्थित शिवालय, नाका मदार, गुलाबबाड़ी, अलवर गेट, सुभाष नगर, चंदवरदायी नगर और अन्य क्षेत्रों के शिवालयों में भगवान शिव, पार्वती, गणेश, नंदी और कार्तिकेय का विधिवत पूजन किया गया। मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय स्थित ज्योत्सुलेश्वर मंदिर में रुद्राभिषेक के बाद भोलेनाथ का शृंगार और आरती के बाद शिव विवाह प्रसंग का पाठ हुआ। धोलाभाटा स्थित श्याम केंद्र के तत्वावधान में कलश थाजा-निकाली गई। घडियाल और बोल बम के जयकारों से मंदिर गुंजते रहे। नया बाजार शिवबाग स्थित प्राचीन अर्ध चंद्रेश्वर महादेव मंदिर पर आज महाशिवरात्रि का पावन पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया । मंदिर के पुजारी पंडित श्याम सुंदर शुक्ला ने बताया कि

इस अवसर पर विधि विधान से पूजा अर्चना कर,पंचामृत अभिषेक, आकर्षक श्रंगारएवं महाआरती कर प्रसाद वितरित किया गया। मंदिर में महादेव की पूजा अर्चना करने के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं का जन सैलाब उमड़ पड़ा। इस अवसर पर जवाहर फाउंडेशन के शिवकुमार बंसल राजेंद्र गांधी मनीष अग्रवाल ममता शुक्ला कपिल सारस्वत सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। पूज्य झरनेश्वर महादेव मंदिर में महाशिवरात्रि पर धार्मिक आयोजन हुए। पूज्य झूलाल साहिब के बहिरांगे की सवारी के रवि हरीश कुमार भगत ने भजन और गीत सुनाकर वातावरण को धार्मिक बना दिया और श्रद्धालुओं ने दिन भर शिव लिंग पर पूजन महाआरती शृंगार करके अपनी श्रद्धाप्रकट की।

चोरी के दो आरोपी गिरफ्तार

ब्यावर (निसं) जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक , वृताधिकारी के निकटतम सुपरविजन में सीटी थानाधिकारी एवं टीम द्वारा दो अलग-अलग चोरियों का खुलासा करते हुए चोरी की नगदी, सोने चांदी के जेवरत व दुपहिया वाहन मोटर साईकिल को बरामद कर आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है।

अवैध मादक पदार्थ तस्करो के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्यवाही

ब्यावर (निसं) जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक , वृताधिकारी वृत्त मसूदा के निकटतम सुपरविजन में थानाधिकारी पुलिस थाना बार मय टीम द्वारा अवैध मादक पदार्थ तस्करो के खिलाफ कार्यवाही करते हुए स्विफ्ट कार से परिवहन किये जा रहे डोडा पोस्ट जब्त कर दो तस्करो शरकराला पिता नारायण लाल गुर्जर उम्र 24 साल निवासी कामा, राहुल सेन पिता कन्हैयालाल सेन उम्र 23 साल निवासी बिजौलिया खुर्द को गिरफ्तार किया है।

गौरतलब है की 22 फरवरी को भगवती देवी ने शिकायत दर्ज करवाई की 17 फरवरी को मैंने हमेशा की तरह डुसिंग कांच की दरज में 2,000/- रूपये रखे और मेरे घर से कुछ दुरी पर बने बाडे में बंधी गावो का रोजाना की तरह दूध निकालने के लिए चली गयी थी। 19 फरवरी को दुबारा मैंने उक्त दरज को वापस खोला तो उसमें एक सफेद बेग से एक अगुंटी आधा तोले की, सवा तोले का हार, आधा आधा तोले की दो रखडी, आधा तोले का मंगल सूत्र, आधा आधा तोले के कान के दो जोडी टोपस एक सोने का मादलिया व कान की बाली एक नाक की हिना नथ सोने की व चांदी की पायजेव एंव 6,000/- रूपये नकद जो बेग नहीं मिला। मैंने व मेरे परिवारजनों ने उक्त बेग को काफ़ी तलाश किया मगर वह नहीं मिला है।

गौरतलब है की 26 फरवरी को थानाधिकारी पुलिस थाना बार सुरेन्द्र सिंह को मुखबिर खास से सूचना मिली की बदनीर की तरफ से एक सफेद स्विफ्ट कार जा रही है जिसमे अवैध मादक पदार्थ भरा हो सकता है। सूचना विश्वसनीय होने पर थानाधिकारी मय पुलिस टीम द्वारा नाकाबन्दी शुरू की गई तो बताया हुलिये की एक सफेद कार आती नजर आई जो पुलिस नाकाबन्दी को देखकर तस्करो ने कार को वापस घुमा कर भागने का प्रयास किया। पुलिस टीम द्वारा कार का करीब 03 किलो मोटर तक पीछा कर कार को रूकवाया

- 45.405 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा पोस्ट बरामद
- 02 तस्करो को किया गिरफ्तार
- परिवहन में प्रयुक्त वाहन स्विफ्ट कार जब्त

तो कार में दो व्यक्ति मिले। कार को चैक किया तो अन्वर 02 प्लास्टिक के कट्टों में कुल 45.405 किलोताम डोडा पोस्ट मिले जिनको जब्त कर आरोपियों को गिरफ्तार किये गये तथा परिवहन में प्रयुक्त कार को जब्त किया गया। शरकराला पिता नारायण लाल गुर्जर उम्र 24 साल निवासी कामा, राहुल सेन पिता कन्हैयालाल सेन उम्र 23 साल निवासी बिजौलिया खुर्द मुसुदा स्थित थानाधिकारी की पुलिस टीम में हेड कांस्टेबल लोकेश कुमार एवं कांस्टेबल बलदेव, कैलाश, लेखराज, चेतनसिंह, बनवारीलाल आदि थे।



महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने परिवार के साथ मुख्यमंत्री निवास में बने राजराजेश्वरी माता के मंदिर में भगवान शिव की पूजा अर्चना की। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच शर्मा ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया और आरती उतारी। मुख्यमंत्री निवास पर तेनात अधिकारी व कर्मचारी भी इस दौरान मौजूद थे।

सुप्रीम कोर्ट का महत्वपूर्ण आदेश, गवाही के लिए उम्र की सीमा नहीं होती

50 लाख डॉलर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खरीद कर अमीर लोग अमेरिका आ सकते हैं।

ट्रम्प ने कहा कि गोल्ड कार्ड की बाकी जानकारी दो सप्ताह में दी जा सकेगी। जब एक पत्रकार ने पूछा कि क्या रूस के अमीर भी यह कार्ड खरीद सकते हैं तो ट्रम्प ने कहा, "यह संभव है, जो रूस के कुछ अमीरों को जानता हूँ, जो बहुत अच्छे हैं।"

ट्रम्प के वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड ल्यूटनिक ने पत्रकारों से कहा कि वर्तमान ईबी-5 वीसा कार्यक्रम बकवास और फ्राड है, इसके तहत ग्रीन कार्ड प्राप्त करना बहुत सस्ता था। ल्यूटनिक ने कहा, इसलिए राष्ट्रपति ने कहा, ऐसे बकवास कार्यक्रम को खत्म कर देना ही बेहतर है। हम इसकी जगह ट्रम्प गोल्ड कार्ड लाएंगे।

सी.एन.एन. रिपोर्ट के अनुसार, ईबी-5 वीसा कार्यक्रम का इस्तेमाल कर राष्ट्रपति ट्रम्प के परिवार ने कई प्रॉपर्टी डेवलपमेंट में इसका फायदा उठाया था। ट्रम्प के पहले कार्यकाल में इस कार्यक्रम की आलोचना हुई थी और तब इसमें सुधार का सुझाव दिया गया।

ईबी-5 वीसा कार्य को 2022 में जो बाइडेन के कार्यकाल में आखिरी बार रिव्यू किया गया था और निवेश की आवश्यकता को बढ़ाकर वर्तमान स्तर तक लाया गया था। वर्ष 2019 में ट्रम्प प्रशासन ने आर्थिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों में निवेश की सीमा बढ़ाकर 9 लाख डॉलर करने की कोशिश की थी, जिसे 2021 में फेडरल जज ने रोक दिया था।

ट्रम्प अमेरिका का मूल स्वरूप बदलना चाहते हैं, जो इम्प्रिंट्स के योगदान से विश्व में नम्बर वन बन जाए।

गत 400 सालों से अमेरिका पूरी दुनिया के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा एडवर्ड्स एक्ट में गवाह की न्यूनतम आयु नहीं दी गई है इसलिए बच्चे की गवाही भी मान्य।
- सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट का फैसला पलटते हुए 7 साल की बच्ची की गवाही के आधार पर आरोपी को पत्नी की हत्या का दोषी करार दिया।

नई दिल्ली, 26 फरवरी। सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसले में कहा कि बच्चे की गवाही भी किसी अन्य गवाह की तरह ही मान्य है। शीर्ष अदालत ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के फैसले को पलटते हुए एक व्यक्ति को अपनी पत्नी की हत्या का दोषी ठहराया और उम्रकैद की सजा सुनाई। यह मामला खास इसलिए है, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने 7 साल की बच्ची की गवाही को आधार बनाया, जिसने अपनी मां की हत्या होने देखी थी। सर्वोच्च अदालत ने स्पष्ट किया कि गवाह के लिए कोई न्यूनतम उम्र नहीं होती और बच्ची के बयान को सिर्फ इसलिए खारिज नहीं किया जा सकता, क्योंकि वह 7 साल की है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि

बच्चे के बयान की जांच सावधानी से करनी चाहिए, क्योंकि उन्हें आसानी से प्रभावित किया जा सकता है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने एमपी हाईकोर्ट के फैसले को पलट दिया। हाईकोर्ट ने बच्ची के बयान को खारिज कर दिया था और आरोपी को बरी कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एडवर्ड्स

एक्ट में गवाह की न्यूनतम उम्र तय नहीं है। इसलिए, बच्ची की गवाही को सिर्फ इसलिए खारिज नहीं किया जा सकता। शीर्ष अदालत ने कहा कि अगर बच्चा गवाही देने के लिए सक्षम है, तो उसकी गवाही किसी अन्य गवाह की तरह ही मानी जाएगी। लेकिन, अदालत को बच्चे के बयान की जांच बहुत ध्यान से करनी चाहिए। ऐसा इसलिए, क्योंकि

बच्चे जल्दी बहकावे में आ सकते हैं।

सर्वोच्च कोर्ट ने आगे कहा कि इसका मतलब यह नहीं कि छोटी-सी गलती पर बच्चे की गवाही को खारिज कर दिया जाए। बल्कि, बच्चे के बयान को बहुत सावधानी से परखा जाना चाहिए।

इस मामले में, सर्वोच्च कोर्ट ने बच्ची की गवाही को विश्वसनीय मानते हुए उसके पिता को उम्रकैद की सजा सुनाई। यह फैसला भविष्य में ऐसे मामलों में एक मिसाल का काम करेगा।

ये निर्णय बच्चों के अधिकारों की रक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सुनिश्चित करता है कि बच्चों की आवाज भी सुनी जाए और उन्हें न्याय मिले। यह फैसला न्यायिक प्रक्रिया में बच्चों की भूमिका को मजबूत करता है।

सर्वोच्च कोर्ट ने आगे कहा कि इसका मतलब यह नहीं कि छोटी-सी गलती पर बच्चे की गवाही को खारिज कर दिया जाए। बल्कि, बच्चे के बयान को बहुत सावधानी से परखा जाना चाहिए।

इस मामले में, सर्वोच्च कोर्ट ने बच्ची की गवाही को विश्वसनीय मानते हुए उसके पिता को उम्रकैद की सजा सुनाई। यह फैसला भविष्य में ऐसे मामलों में एक मिसाल का काम करेगा।

ये निर्णय बच्चों के अधिकारों की रक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सुनिश्चित करता है कि बच्चों की आवाज भी सुनी जाए और उन्हें न्याय मिले। यह फैसला न्यायिक प्रक्रिया में बच्चों की भूमिका को मजबूत करता है।

सर्वोच्च कोर्ट ने आगे कहा कि इसका मतलब यह नहीं कि छोटी-सी गलती पर बच्चे की गवाही को खारिज कर दिया जाए। बल्कि, बच्चे के बयान को बहुत सावधानी से परखा जाना चाहिए।

इस मामले में, सर्वोच्च कोर्ट ने बच्ची की गवाही को विश्वसनीय मानते हुए उसके पिता को उम्रकैद की सजा सुनाई। यह फैसला भविष्य में ऐसे मामलों में एक मिसाल का काम करेगा।

ये निर्णय बच्चों के अधिकारों की रक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सुनिश्चित करता है कि बच्चों की आवाज भी सुनी जाए और उन्हें न्याय मिले। यह फैसला न्यायिक प्रक्रिया में बच्चों की भूमिका को मजबूत करता है।

सर्वोच्च कोर्ट ने आगे कहा कि इसका मतलब यह नहीं कि छोटी-सी गलती पर बच्चे की गवाही को खारिज कर दिया जाए। बल्कि, बच्चे के बयान को बहुत सावधानी से परखा जाना चाहिए।

इस मामले में, सर्वोच्च कोर्ट ने बच्ची की गवाही को विश्वसनीय मानते हुए उसके पिता को उम्रकैद की सजा सुनाई। यह फैसला भविष्य में ऐसे मामलों में एक मिसाल का काम करेगा।

ये निर्णय बच्चों के अधिकारों की रक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सुनिश्चित करता है कि बच्चों की आवाज भी सुनी जाए और उन्हें न्याय मिले। यह फैसला न्यायिक प्रक्रिया में बच्चों की भूमिका को मजबूत करता है।

सर्वोच्च कोर्ट ने आगे कहा कि इसका मतलब यह नहीं कि छोटी-सी गलती पर बच्चे की गवाही को खारिज कर दिया जाए। बल्कि, बच्चे के बयान को बहुत सावधानी से परखा जाना चाहिए।

इस मामले में, सर्वोच्च कोर्ट ने बच्ची की गवाही को विश्वसनीय मानते हुए उसके पिता को उम्रकैद की सजा सुनाई। यह फैसला भविष्य में ऐसे मामलों में एक मिसाल का काम करेगा।

ये निर्णय बच्चों के अधिकारों की रक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सुनिश्चित करता है कि बच्चों की आवाज भी सुनी जाए और उन्हें न्याय मिले। यह फैसला न्यायिक प्रक्रिया में बच्चों की भूमिका को मजबूत करता है।

सर्वोच्च कोर्ट ने आगे कहा कि इसका मतलब यह नहीं कि छोटी-सी गलती पर बच्चे की गवाही को खारिज कर दिया जाए। बल्कि, बच्चे के बयान को बहुत सावधानी से परखा जाना चाहिए।

इस मामले में, सर्वोच्च कोर्ट ने बच्ची की गवाही को विश्वसनीय मानते हुए उसके पिता को उम्रकैद की सजा सुनाई। यह फैसला भविष्य में ऐसे मामलों में एक मिसाल का काम करेगा।

ये निर्णय बच्चों के अधिकारों की रक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सुनिश्चित करता है कि बच्चों की आवाज भी सुनी जाए और उन्हें न्याय मिले। यह फैसला न्यायिक प्रक्रिया में बच्चों की भूमिका को मजबूत करता है।

सर्वोच्च कोर्ट ने आगे कहा कि इसका मतलब यह नहीं कि छोटी-सी गलती पर बच्चे की गवाही को खारिज कर दिया जाए। बल्कि, बच्चे के बयान को बहुत सावधानी से परखा जाना चाहिए।

इस मामले में, सर्वोच्च कोर्ट ने बच्ची की गवाही को विश्वसनीय मानते हुए उसके पिता को उम्रकैद की सजा सुनाई। यह फैसला भविष्य में ऐसे मामलों में एक मिसाल का काम करेगा।

ये निर्णय बच्चों के अधिकारों की रक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सुनिश्चित करता है कि बच्चों की आवाज भी सुनी जाए और उन्हें न्याय मिले। यह फैसला न्यायिक प्रक्रिया में बच्चों की भूमिका को मजबूत करता है।

सर्वोच्च कोर्ट ने आगे कहा कि इसका मतलब यह नहीं कि छोटी-सी गलती पर बच्चे की गवाही को खारिज कर दिया जाए। बल्कि, बच्चे के बयान को बहुत सावधानी से परखा जाना चाहिए।

इस मामले में, सर्वोच्च कोर्ट ने बच्ची की गवाही को विश्वसनीय मानते हुए उसके पिता को उम्रकैद की सजा सुनाई। यह फैसला भविष्य में ऐसे मामलों में एक मिसाल का काम करेगा।

ये निर्णय बच्चों के अधिकारों की रक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सुनिश्चित करता है कि बच्चों की आवाज भी सुनी जाए और उन्हें न्याय मिले। यह फैसला न्यायिक प्रक्रिया में बच्चों की भूमिका को मजबूत करता है।

सर्वोच्च कोर्ट ने आगे कहा कि इसका मतलब यह नहीं कि छोटी-सी गलती पर बच्चे की गवाही को खारिज कर दिया जाए। बल्कि, बच्चे के बयान को बहुत सावधानी से परखा जाना चाहिए।

इस मामले में, सर्वोच्च कोर्ट ने बच्ची की गवाही को विश्वसनीय मानते हुए उसके पिता को उम्रकैद की सजा सुनाई। यह फैसला भविष्य में ऐसे मामलों में एक मिसाल का काम करेगा।

ये निर्णय बच्चों के अधिकारों की रक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सुनिश्चित करता है कि बच्चों की आवाज भी सुनी जाए और उन्हें न्याय मिले। यह फैसला न्यायिक प्रक्रिया में बच्चों की भूमिका को मजबूत करता है।

सर्वोच्च कोर्ट ने आगे कहा कि इसका मतलब यह नहीं कि छोटी-सी गलती पर बच्चे की गवाही को खारिज कर दिया जाए। बल्कि, बच्चे के बयान को बहुत सावधानी से परखा जाना चाहिए।

इस मामले में, सर्वोच्च कोर्ट ने बच्ची की गवाही को विश्वसनीय मानते हुए उसके पिता को उम्रकैद की सजा सुनाई। यह फैसला भविष्य में ऐसे मामलों में एक मिसाल का काम करेगा।

ये निर्णय बच्चों के अधिकारों की रक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सुनिश्चित करता है कि बच्चों की आवाज भी सुनी जाए और उन्हें न्याय मिले। यह फैसला न्यायिक प्रक्रिया में बच्चों की भूमिका को मजबूत करता है।

सर्वोच्च कोर्ट ने आगे कहा कि इसका मतलब यह नहीं कि छोटी-सी गलती पर बच्चे की गवाही को खारिज कर दिया जाए। बल्कि, बच्चे के बयान को बहुत सावधानी से परखा जाना चाहिए।

इस मामले में, सर्वोच्च कोर्ट ने बच्ची की गवाही को विश्वसनीय मानते हुए उसके पिता को उम्रकैद की सजा सुनाई। यह फैसला भविष्य में ऐसे मामलों में एक मिसाल का काम करेगा।

ये निर्णय बच्चों के अधिकारों की रक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सुनिश्चित करता है कि बच्चों की आवाज भी सुनी जाए और उन्हें न्याय मिले। यह फैसला न्यायिक प्रक्रिया में बच्चों की भूमिका को मजबूत करता है।

सर्वोच्च कोर्ट ने आगे कहा कि इसका मतलब यह नहीं कि छोटी-सी गलती पर बच्चे की गवाही को खारिज कर दिया जाए। बल्कि, बच्चे के बयान को बहुत सावधानी से परखा जाना चाहिए।

इस मामले में, सर्वोच्च कोर्ट ने बच्ची की गवाही को विश्वसनीय मानते हुए उसके पिता को उम्रकैद की सजा सुनाई। यह फैसला भविष्य में ऐसे मामलों में एक मिसाल का काम करेगा।

ये निर्णय बच्चों के अधिकारों की रक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सुनिश्चित करता है कि बच्चों की आवाज भी सुनी जाए और उन्हें न्याय मिले। यह फैसला न्यायिक प्रक्रिया में बच्चों की भूमिका को मजबूत करता है।

सर्वोच्च कोर्ट ने आगे कहा कि इसका मतलब यह नहीं कि छोटी-सी गलती पर बच्चे की गवाही को खारिज कर दिया जाए। बल्कि, बच्चे के बयान को बहुत सावधानी से परखा जाना चाहिए।

इस मामले में, सर्वोच्च कोर्ट ने बच्ची की गवाही को विश्वसनीय मानते हुए उसके पिता को उम्रकैद की सजा सुनाई। यह फैसला भविष्य में ऐसे मामलों में एक मिसाल का काम करेगा।

ये निर्णय बच्चों के अधिकारों की रक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सुनिश्चित करता है कि बच्चों की आवाज भी सुनी जाए और उन्हें न्याय मिले। यह फैसला न्यायिक प्रक्रिया में बच्चों की भूमिका को मजबूत करता है।

सर्वोच्च कोर्ट ने आगे कहा कि इसका मतलब यह नहीं कि छोटी-सी गलती पर बच्चे की गवाही को खारिज कर दिया जाए। बल्कि, बच्चे के बयान को बहुत सावधानी से परखा जाना चाहिए।

इस मामले में, सर्वोच्च कोर्ट ने बच्ची की गवाही को विश्वसनीय मानते हुए उसके पिता को उम्रकैद की सजा सुनाई। यह फैसला भविष्य में ऐसे मामलों में एक मिसाल का काम करेगा।

ये निर्णय बच्चों के अधिकारों की रक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सुनिश्चित करता है कि बच्चों की आवाज भी सुनी जाए और उन्हें न्याय मिले। यह फैसला न्यायिक प्रक्रिया में बच्चों की भूमिका को मजबूत करता है।

सर्वोच्च कोर्ट ने आगे कहा कि इसका मतलब यह नहीं कि छोटी-सी गलती पर बच्चे की गवाही को खारिज कर दिया जाए। बल्कि, बच्चे के बयान को बहुत सावधानी से परखा जाना चाहिए।

इस मामले में, सर्वोच्च कोर्ट ने बच्ची की गवाही को विश्वसनीय मानते हुए उसके पिता को उम्रकैद की सजा सुनाई। यह फैसला भविष्य में ऐसे मामलों में एक मिसाल का काम करेगा।

तीन साल बाद यूक्रेन युद्ध...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) सहयोगियों के खिलाफ वोट कर रहा था, जिससे, पूरी भू-राजनीतिक तस्वीर बदल गई। रूस और अमेरिका ने ईयू के खिलाफ वोट किया। यह पहली बार है, जब अमेरिका और यूरोपीय यूनियन ने संयुक्त राष्ट्र में एक दूसरे के खिलाफ मतदान किया। महत्वपूर्ण यह भी है कि इस प्रस्ताव पर दो महत्वपूर्ण देश अनुपस्थित थे, जिनमें से एक रूस का "लिमिटेड" मित्र था। अनुपस्थित रहने वाले देश हैं चीन और ईरान। अमेरिका और रूस की अचानक निकटता ने वर्षों की चीनी कूटनीति को उलट दिया, जो रूस और अमेरिका के बीच दरार डालने की कोशिश कर रही थी।

अतः अमेरिका का यूक्रेन समझौता दोहरा खेल है, तथा ऐसे कई और समझौते आने वाले हैं। यह समझौता चीन को रूस से कई मायनों में अलग कर देगा और रूस को एक प्रकार से अमेरिकी दायरे में ले आएगा। यह सत्य है कि हालांकि, चीन ने यूक्रेन युद्ध के दौरान रूस को समर्थन दिया था, पर उसने रूस को चीन के जूनियर पार्टनर जैसा महसूस कराया था।

दूसरी ओर, पश्चिमी यूरोपीय देश, खासकर ई.यू. और यू.के. अब अलग-थलग पड़ गए हैं। उनका स्थायी दोस्त अब चला गया है। अमेरिका के चक्कर में इन देशों ने चीन से रिश्ते खराब कर लिए। उनके पास अब कोई सुरक्षा ताकत नहीं बची है, और वे रूस की दया के मोहताज हो गए हैं।

हैं। लेकिन, फ्रांस ने कुछ कूटनीतिक जीत हासिल की है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति, एमनुएल मैक्रॉन ने कल वाइट हाउस में संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प का कद कम कर दिया। पहली बार ऐसा हुआ कि फ्रांसीसी राष्ट्रपति संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में छाप रहे और उन्होंने कई बार ट्रम्प को सही किया। मैक्रॉन ने उस समय आसानी से ट्रम्प को मात दी, जब ट्रम्प ने कहा कि यूरोप ने वास्तव में यूक्रेन की रक्षा के लिए ज्यादा कुछ नहीं किया, जितना अमेरिका ने किया। तब मैक्रॉन ने दृढ़ता से हस्तक्षेप किया और यह स्पष्ट किया कि यूक्रेन की रक्षा के लिए ईयू ने धन प्रदान किया था: "पैसा, असली पैसा"। तब ट्रम्प चुप हो गए। वाइट हाउस के अनुभवों संवाददाताओं ने बताया कि पहली बार ऐसा हुआ कि ट्रंप उस समय प्रेस कॉन्फ्रेंस में चुप रहे, जब मैक्रॉन अपनी बात कह रहे थे। यहाँ तक कि वाइट हाउस से बाहर आने के बाद मैक्रॉन ने ट्रम्प को खूब खरी खोरी सुनाई।

केजरीवाल... (प्रथम पृष्ठ का शेष) अरोड़ा राजनीति में आने से पहले बिजनेस टाइकून तथा बड़ी परोपकारी हस्ती थे। अगर वे लुधियाना - पश्चिम उपचुनाव जीत जाते हैं तो उन्हें राज्यमंत्री बनाकर, किसी मंत्रालय को स्वतंत्र प्रभार सौंपा जा सकता है।

अतः अमेरिका का यूक्रेन समझौता दोहरा खेल है, तथा ऐसे कई और समझौते आने वाले हैं। यह समझौता चीन को रूस से कई मायनों में अलग कर देगा और रूस को एक प्रकार से अमेरिकी दायरे में ले आएगा। यह सत्य है कि हालांकि, चीन ने यूक्रेन युद्ध के दौरान रूस को समर्थन दिया था, पर उसने रूस को चीन के जूनियर पार्टनर जैसा महसूस कराया था।

दूसरी ओर, पश्चिमी यूरोपीय देश, खासकर ई.यू. और यू.के. अब अलग-थलग पड़ गए हैं। उनका स्थायी दोस्त अब चला गया है। अमेरिका के चक्कर में इन देशों ने चीन से रिश्ते खराब कर लिए। उनके पास अब कोई सुरक्षा ताकत नहीं बची है, और वे रूस की दया के मोहताज हो गए हैं।

'दक्षिण के किसी राज्य की सीटें कम नहीं होगी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) में हर व्यक्ति की जानकारी में यह बात ला रहा हूँ कि 2026 की जनसंख्या के आधार पर होने वाली लोकसभा क्षेत्रों के परिसीमन की कवायद बहुत ज्यादा खतरनाक है।" उन्होंने अपनी पोस्ट में पूछा, "अगर इस कारण से संसद में हमारा संख्याबल कम होता है, अगर इस कारण हमारी आवाज दबती है, तो यह (परिसीमन) न्यायोचित कैसे हो सकता है।"

उन्होंने लोकसभा क्षेत्रों के परिसीमन के क्रियान्वयन पर विचार-विमर्श करने के लिये 5 मार्च को एक

सर्वदलीय मॉटिंग बुलाई हैं। उन्होंने परिसीमन को तमिलनाडु के ऊपर लटकती तलवार बताया।

शाह ने स्टालिन पर तमिलनाडु की जनता से झूठ बोलने का आरोप लगाते हुये कहा कि उनके (शाह) के आश्वासन के बाद, अब मुख्यमंत्री को जवाब देना चाहिये।

शाह ने तमिलनाडु सरकार पर कानून-व्यवस्था, भ्रष्टाचार तथा शासन व्यवस्था के मुद्दों को लेकर हमला बोला और कहा, "(तमिलनाडु में) राष्ट्रविरोधी प्रवृत्तियाँ चरम पर हैं। तमिलनाडु

सरकार ने 1998 के सीरियल बम-ब्लास्ट के मास्टरमाइंड की शव यात्रा को सुरक्षा प्रदान की थी।" शाह का संकेत एस ए बाशा की ओर था, जो 14 फरवरी 1998 को कोयम्बटूर में हुये बम-ब्लास्टों का मास्टरमाइंड था। इन ब्लास्टों में 58 लोग मारे गये थे।

शाह ने कहा, "राज्य में ड्रग माफिया को खुली छूट है तथा अवैध खनन माफिया ने राजनीति को भंग कर दिया है।"

द्रमुक पर भ्रष्ट नेताओं को पार्टी की सदस्यता देने का आरोप लगाते

संसाधनों का 60 से 70 प्रतिशत भंडार पर नियंत्रण है और इसके विपरीत जैसा संयुक्त राष्ट्र संघ ने बताया है, यूक्रेन के पास 5 प्रतिशत भंडार है। हालांकि चीन इसमें अग्रणी है, पर यूक्रेन एक विकल्प है और अमेरिका इसकी अनदेखी नहीं कर सकता।

हालांकि, इन संसाधनों को सुरक्षित करने का रास्ता कई बाधाओं से भरा हुआ है। यूक्रेन के कई समृद्ध खनिज भंडार अब रूस के कब्जे वाले क्षेत्रों में स्थित हैं, जिसे उखनन करना और उसे अन्य जगह ले जाना भारी मुश्किल हो गया है। फिर भी, चुनौतियों के बावजूद, अमेरिका

यूक्रेन के खनिजों को एक ऐसे स्रोत के रूप में देखता है, जो एक एकल, प्रमुख आपूर्तिकर्ता पर निर्भरता को कम करने में इसकी मदद कर सकता है।

विशेष रूप से सैन्य-औद्योगिक क्षेत्र के लिए दांव बहुत ऊंचा है। टाइटेनियम जैसे खनिज फाइबर जेट, मिसाइल और उच्च गुणवत्ता वाले रक्षा उपकरण बनाने में अनिवार्य हैं।

वर्तमान में, अमेरिकी रक्षा क्षेत्र द्वारा इस्तेमाल किया गया अधिकांश टाइटेनियम रूस से आता है- यह एक ऐसे कमजोरी है, जिसे अमेरिकी नेता समाप्त करने के लिए उत्सुक हैं। अगर

वाशिंगटन यूक्रेन के भंडार को हासिल कर लेता है तो यह निर्भरता समाप्त हो सकती है और पश्चिमी सैन्य आपूर्ति शृंखलाओं पर रूस का नियंत्रण कमजोर पड़ सकता है।

यूक्रेन के लीथियम भंडार भी महत्वपूर्ण हैं। जैसे-जैसे दुनिया इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) और नवीकरणीय ऊर्जा भंडारण की ओर बढ़ रही है, लीथियम की मांग बढ़ गई है। ईवी बाजार पर वर्चस्व स्थापित करने के लिए अमेरिका व चीन में दौड़ है, और यूक्रेन के लीथियम भंडार तक पहुंच हासिल करना अमेरिका की बैटरी उत्पादन क्षमता

को मजबूत कर सकता है, जो बीजिंग के वर्चस्व को चुनौती दे सकता है।

यूक्रेन के खनिजों पर नियंत्रण से अमेरिका को यूरोप पर आर्थिक दबाव मिल जाएगा। वाशिंगटन उसके सहयोगियों को कच्चे माल का प्रमुख आपूर्तिकर्ता बन सकता है, इससे चीन और रूस हाशिए पर जा सकते हैं।

ट्रम्प, जो हमेशा से सौदेबाजी में आगे रहे हैं, ने रूस के साथ बातचीत में यूक्रेन के संसाधनों का एक सौदे की चिप के रूप में उपयोग करने का संकेत दिया है। उन्होंने कीव को मिलने वाली अमेरिकी सहायता की आलोचना की है,

यह सवाल किया कि अमेरिका को इसके बदले में क्या मिल रहा है। उनका "अमेरिका पहले" रुख यह संकेत देता है कि भविष्य की किसी भी बातचीत में, वे आर्थिक फायदे की मांग करेंगे- शायद यूक्रेन की खनिज संपत्ति तक विशेष पहुंच हासिल करने का प्रयास करें।

एक ऐसी दुनिया में जहां संसाधन ताकत को परिभाषित करते हैं, यूक्रेन के दुर्लभ खनिज सिर्फ एक प्राकृतिक खजाना नहीं हैं- वे एक भू-राजनीतिक हथियार हैं और उन पर नियंत्रण के लिए संघर्ष में, अमेरिका, चीन और रूस सभी शामिल हैं।

MARUTI SUZUKI ARENA

खरीदें अपनी ड्रीम कार!

पाएं आकर्षक ऑफर्स ₹63 100 तक + ₹10 000 का अपग्रेड बोनस.

स्पेशल ऑफर सिर्फ 2 सप्ताह के लिए वैध



EMI STARTING FROM ₹4989**

विशेष ऑफर

ALTO K10 ₹73 100* | S-PRESSO ₹73 100*
WAGONR ₹68 100* | CELERIO ₹73 100*



SCAN TO CONNECT TO SHOWROOM NEAR YOU



E-BOOK TODAY AT WWW.MARUTISUZUKI.COM

T&C apply. **Mentioned indicative offer calculated at funding amount of Rs 307,200 (80% of net of discount ex showroom price, ex Delhi, of Alto Std model) at 9.30% ROI for 7 years (subject to change as per Financier Discretion). All credit terms are at sole discretion of Finance partner and availability of financier at location. Only personal usage vehicle would be eligible for the mentioned scheme. Other terms and conditions as specified by financier may apply. Features and accessories shown may not be part of standard fitment. Black glass shade on the vehicle is due to the lighting effect. Images used are for illustration purposes only. Car color may vary due to printing on paper. Creative visualization. Offers vary across variants. Maruti Suzuki India Limited reserves the right to discontinue offers without notice. *Offer includes consumer offer, exchange bonus and institutional or rural offer (wherever applicable) on selected models/variants. Above mentioned savings amount is the value of maximum savings on selected models. Offer valid with selected financiers only. Above offers are valid till 28th February 2025.



VISIT YOUR NEAREST MARUTI SUZUKI ARENA DEALERSHIP TODAY OR E-BOOK AT WWW.MARUTISUZUKI.COM | CALL 1800 102 1800

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स: 0141-2373513, कोटा कार्यालय: पल्लवथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032, फैक्स: 0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स: 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय: कुम्भाना हाउस, हनुमान हत्या, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालौर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रियल एरिया, फेस प्रथम, जालौर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डोलसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डोलसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908